



स्वास्ति श्रीसर्वोपमा जेठप इत् दिस्वक भग्गु राखे सगभार सामथ

भक्ती
मि, कोरी

स्वामि

भक्ती भक्ति

श्रीगुरु

श्री

श्रीगुरो शायनमः

ॐ

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेश

श्रीगणेश

श्रीगणेशाय नमः

लक्ष्मीपुत्राय नमः

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा जोष इत्यादिसकलशरागारिषु राजभारासामर्थे ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा जोष इत्यादिसकलशरागारिषु राजभारासामर्थे ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा

श्रीगणेश

श्रीगणेशाय नमः

स्वस्ति

श्रीगणेश

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा

श्रीगणेश

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेश

श्रीगणेशाय नमः

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा

स्वस्ति श्रीसर्वोपमा जोष इत्यादिसकलशरागारिषु राजभारासामर्थे ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेश

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

जगन्नाथाय नमः

१३७८

१३७८

१३७८

१३७८

श्रीगणेशाय नमः

श्री

स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ १ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ २ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ३ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ४ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ५ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ६ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ७ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ८ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ९ ॥
स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ १० ॥

स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ ११ ॥

स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ १२ ॥

स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ १३ ॥

१३/११/११

स्वास्ति श्री महादेवो जगन्नाथः ॥ १४ ॥

श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

हलभक्त्यहलजोद्धसो इति स्यात् इति शब्दा हो सः॥ आद्यो चारणम् आद्यो चारणम् पाप्मनीव्यावृ
 त्तीकप्रथम उच्चारणजोद्ध नदोऽप्येदं सद्रूपेदस भविजानूः॥ इत्येव इत्युत्र सुत्रकावि
 सेमा अदृष्टपद नदप्रपद जोद्धसो इत्युत्र नरात् आका इत्युत्र देस्वी अनुवर्तनीयस्याऽ
 सुसर्वत्रचा इया काजगामाः॥ प्रसक्तस्य विद्यमानस्य देषा इया का प्रार्थ
 को अदसर्ननेदेषु नुजो नदोलोप इति स्यात् लोप इति शब्दा हो सः॥ तस्य इति त्वे इति स
 श्मभ्याका वराको लोप स्यात् लोप हो सः॥ राद्ययोः ककारादिगरीया कावरा भविजो
 नुः॥ अल्पते तासहीत अल्पका इत्यवरा हो इति तस्य गपरी आयाका अर्दी आदि वराजो
 दन्सो मध्यगती माजाका वराको चो च आदि वराको पती सज्ञा स्यात् सज्ञा हो
 सः॥ यथाजसूते अणीती अनुयसो भविकत अइ उ वराती शब्दा अवरा इवरा इवरा इ
 को इति स्यात् इति हो सः॥ यव यस्ते प्रकारे अच प्रत्या हार हल प्रत्या हार अल प्रत्या हा
 इत्यादयो इ आदि गरीयाका प्रत्या हार भविजानूः॥ इस्व इस्व इस्व वः इस्व यव

मात्रकार इस्व ही मात्रकार इस्व ती मात्रकार इस्व ती मात्रकार इस्व ती मात्रकार इस्व ती

मात्रकारऽस्य दीमात्रकारऽस्य तीन् मात्रकारः बहुतामकार व्रीधानामतीन्
कारको ह्रस्वदीर्घप्लुत ईंशस्यात् ह्रस्वदीर्घादीर्घ ईंश प्लुत ईंश होशः॥ व्रीतामकार
कार व्रीधानामतीन्कारको कालइव कालो यस्य उच्चारणको रस अचकास
अचसो अचो दत्तो कमात् कमेते गारिकत ह्रस्वदीर्घप्लुत ईंशस्यात् ह्रस्वस
दीर्घ ईंश प्लुत ईंश होशः॥ स अचसो अचो प्रोक्ते कमेते दत्तो प्रोक्ते क
यक यक गारिकत न ददाता मेदोत ददातु अनुदात पुरित इत् का मेदो विधाती नती
नका के भेद भनी जावूः॥ उच्चेतत्वा दीर्घस्थोते इत् अ उच्चे भागे उचर्प
नतात्वा दीर्घादिस्था का उच्चे भागे मा उचर्प मया कमेते अचर्प न भयात्का अच
जो दत्तो सो उच्चेतत्वा दीर्घस्थोते इत् अ उच्चे भागे उचर्प
गे इत्वा दीर्घादिस्था का अचर्प भागे मा उचर्प न भयात्का अचर्प जो दत्तो सो अचर्प

तं अनुदात ईशक मनी जीनुः ॥ सम हा ॥ दात अनुदात ईशवरा किच मली ॥ चर्पन भया
 का भव जो दत्त ईश ॥ वरित श्वरीत भनि जीनुः ॥ ३ अच शो अच जो दत्त ईश ॥ नवी वं धो ॥
 ॥ मधि ॥ प्रका को दत्तापति प्रतेकं एक एक गरिकत अनुना सीक अनुबा सीक त्वाभ्या
 अनुना सीकर अनुबा सीक इत का भेदो दीया २ प्रका को भेद भनि जीनुः ॥ मुख ले ना सी
 क ले ॥ चार सागरिया का वरा जो दत्त ईश अनुना सीक ईश स्यात् अनुना सीक ईश होइ ॥
 अइ ॥ पसा बरा नी अवरा इवरा ॥ वरा मवरा इवरा को प्रतेकं एक एक गरिकत अ
 षादस भेद ॥ ४ प्रका को भेद भनि जीनुः ॥ लवरा स्थित वरा को द्वादस १२ प्रका को भेद भनि
 जीनुः ॥ तइ पत्यो लवरा को दीया भावात् दीर्घ को भाव भनि जीनुः ॥ यचा मपी यच
 प्रत्या हार को पनी द्वादश १२ प्रका को भेद भनि जीनुः ॥ यचां थो यच प्रत्या हार को रु
 ॥ भावात् ह्रस्व को भाव हुन ताहाः ॥ तात्वा दीस्थानमाभ्यन्तर प्रयत्न सच तात्वा
 यि स्थानर आभ्यन्तर प्रयत्न को पति इतेत द्दय ई २ जो दत्त सी यस्य जं दत्त वरा किम

स्वाति

नञ्च नृत्तगाले तुल्यं वा वरतन्मीध परस्परसवरासिंहास्यत इवरादिशि होइः ॥ मल्लवराधो
मल्लवराधो कोमिध परस्परसावरोणिका चमसवरादिशि होस्मन्नि कन मनुः ॥ अमे
को वट प्रकाको अकार कु मनेको कवर्ग करवण घट हहकार विसर्जनीयाती जीसर्ग
को कतठकतठसस्थान भनी जीनुः ॥ इ मनेको वट इकार बु मनेको चवर्ग चदत
इत्रयपकार दाताल व्यशकार इतको तालु तालु सस्थान भनी जीनुः ॥ अ मनेको इ
प्रकाको मकार दु मनेको टवर्ग ठठ दठरा रकार ससम धनैसकार इत म धा म धा
स्थान भनी जीनुः ॥ ल मनेको १२ प्रकाको लकार तु मनेको तवर्ग तय द धन ललकार सदेतेस
कार इतको दता दत सस्थान भनी जीनुः ॥ इ मनेको १८ प्रकाको इकार पु मनेको पवर्ग
पपहय भम प्रपह सानी जाती उप दसानीयको दोस् धौ वस सस्थान भनी जीनुः ॥

जकारमकार इकारसाकारनकार इकोनासीकायनासीकास्थानभतीजीनुः॥
 येदतोयकाररहेकारकोकन्थनालुकत्तस्स्थानभतीजीनुः॥ ओदोतोवोकाररओकार
 नथोस्थमक्कन्थवस्स्थस्थानभतीजीनुः॥ वकारस्पवर्कोदन्तोस्थमदन्तवस्स्थस्थ
 स्थानभतीजीनुः॥ जीहामुलीयस्पजीहामुलीयको जीहामलमजीहामुलीस्थानभतीजीनुः॥
 अनुस्वारस्पअनुस्वारस्कोनासीकानासीकास्थानभतीजीनुः॥ यत्भतेको प्रयत्नदी
 प्यादीप्रकार्कोजीनुः॥ आभर्षत्र आभर्षप्रयत्नजोदमसोवाहसचवाहप्रयत्नभतीजीनुः॥
 आद्यआभर्षतरप्रयत्नजोदन्सोपचञ्चधा ५ प्रकार्कोजीनुः॥ ^{५ प्रकार्को} कुत्कुत् ^{५ प्रकार्को} स्प्रस्प्रप्रय
 त्तनइषट्पृष्ठप्रयत्नइषट्पृष्ठप्रयत्नविबजप्रयत्नविबजप्रयत्नइकोभेदात् ५ प्रका
 र्कोभेदभतीजीनुः॥ तत्रस्पृष्टप्रयत्नमृष्योपृष्ठप्रयत्नकन्तस्पृष्टानाम्स्पृष्टाभतीजीनुः॥

[illegible]

810111311477

त्रिकालियत्री कालियत्रितिरूपक इतिपत्रयसो ज्ञानिकत्रयकाप्रयोजनकाप्रय

जीहानुलिख्यजीहानुलिख्यभनीजिनिः पफ इति पफ यसो भनीकनपफाभ्यां प्राणपरप
 देखीनृण अथवी सगसदीसआधाविसगजस्ता उपदमातीष उपदमातीष भनीजिनिः
 ईइति अथसो भनीकन अचपरा अचदेखी अचदेखीनपलतीका अनुभारविसगो अनु
 रविसगभनीजिनिः अविदेमातो अनविप्यान नगरिया का अनजो दन्तो इदिचच इच
 दीचचको पती सवरा सिद्धस्पात् सवरा सिद्धा हो सः अत्रैव धसै सुत्रमा गात्रैरेषानन
 रेषाणलानवन तले गिहृगरीं दः कुवर बुवग बुवगतिवग प्रिवग यते इत्को इदित इदित भनीजी
 नुः तततो घवन् धसै प्रकाशे जिनिः अइति अथसो भनीकन अ स्तादसार्ता सिद्धा
 प्रकाशे सिद्धा जिनिः तठा तस्ते प्रकाशे वगरे प्रकाशे वगरे अस्ता दसार्ता सिद्धा

तीकोलो पञ्चम जतिः॥ प्रसन्नो सतीताम प्राप्ते सती पाया दृष्टमा सदसतम आदे सस्यात्स्थ
न अर्च्य न प्रमाणे जो तुल्यतमं ध्वं ही आदे स होशः॥ अच परस्य अच दे रवी नृपती
कधिरयरके देवास्त द्वीता विकल्पले होस नत्वा च अच पर भया माता न होशः॥
पूली मूलका स्थानमा असजस होस सीरुस पर भयामः॥ इति यो सुत्रे ले धाका रस्य
धाकारको दकार दकार भयोः॥ संधो गीर्त धत्पद संधो ग अन्तगा हुने जो नृपद सस्य
था अ. धमा हुने ले. प्रस्यात् प्रोप होसः॥ सस्ती नी दीस्त सस्य तमा हुने नी दी सि
को अ. धस्य अ. धको आदे सस्यात् आ. र होशः॥ इति यो सुत्रे ले धको पे प्राप्ते ध
का कोलो प. यामाः॥ धरा धराको प्रती से ले वाच्य प्रत सि ध होस भती कत भनुः॥
अ. रीतो वरा अचले ण भ धाका बरा जि धन सो पर धावती जती धि डि नृद नृ॥
धच धच कास्मानमा क्रमात् क्रमैले गरि वरु अय अय नाय आर धते इ आदे स जो
धन सो सु हुन अची अच पर भयामः॥ सम सम ल्ही वि ली वरी वरु किनी ली जो धन

सोयथासंस्थितात्पचसंस्थितात्परिकृतं होसः॥ यकारादौ प्रोते परे यकारादीमाहुते प्रोते पर
 प्रथमा ओदौतो ओकारसंज्ञो जगद्वक्त्रो अव आवधेतौस्त अव आवद ३ ओदस होसः॥
 अद्य अद्य भते को तस्को परिमाने च परिमात अर्धं च ज्ञायामा गोसयतं कास्या तमा
 होसः॥ अत अत प्रत्या हारको षड् च षड् प्रत्या हारको पनी गुणसंज्ञं स्पात गुणसंज्ञा होसः॥
 सपरो यस्मात्तत्कार्पदियस्मात्तसेद ४ र्वी न स उ च सो अच जो दत् सो तात् परस्थं त
 कर्दिरवापर भद्रक पनी षड् चार्पमाणा षड् चारसागेर्त जगर्थे जो दत् सो स्मकालसेवसी
 न्नास्पात्तत्काल सेवसी जा होसः॥ अग्राति अवर्गो दिस्वीत् अची परे अच परभायाष्टा प
 वपिरयोः पूर्वपठः स्था नतः येठगेठु र्देसं स्पात गुणसंज्ञं ५ क य दत्ता ओदस होसः॥
 उपेदेसे ५ पेदेस् काल विसेषा घका अनासीक अच अनुतासीक अच जो दत् सो
 इतसंज्ञं स्पात् इतसंज्ञा होसः॥ पारानीया पारानीतीह ६ रुका प्रतीज्ञा प्रतीज्ञा विसे म
 नुतासीक अनासीक वान भनी ज्ञानुः ७ लत् सुत्र स्थावरी निलत् सुत्र सारधाक अवरा
 ले स ह संज्ञं षड् चार्पमानो र्प षड् चारसागेर्त ८ वराज्ञा दत् सो रल यो र्ज्ञा रुका कर्

रत्नकवर्गसंज्ञाहु हृत्वा क्रुडति क्रुडये सो भनी कनं स्त्री सतसंज्ञे तु वरत ननु प्रवर्गवर्गे
संज्ञावै आयततस्मान्ने तस्याग स्यात्तमा घोरा जौरा मरा सोरा जोदत्तो रपरसंज्ञे वयतेति
रपरमइकप्रवृत्तिहु ननु ॥ भवता प्रवृत्ति भवता प्रवृत्तिमा हुते प्रदातयोर्पि भवता अन्त्यमा
स्या भवता भवयो मकावर्गवकावर्गलोपोवालोपविकल्परहे स मसी जरे मसी परम
यामाः सजाद संपत्ता ध्यायी प्राते ७ अध्यासयोपादु कादस्तीता त्रीजोदसीया त्रीजोद
माहुतेसीयादत्त त्रीयाद्या नजी त्रीयाद्या माहुते जनी असीद्व असीद्व पूर्व जेते प्रती ७
स्त्रीपले सास्त्र जोदत्तो असीद्व स्यात् असीद्व हो सः ॥ आत्नाम अवर्गाति अवर्गा दि रवी न रे च
रे च प्रत्याहावेर्गपती वद्वी संज्ञ स्यात् वद्वी संज्ञा हो सः ॥ आत्नाम अवर्गात् अवर्गा दि रवी न
येची जरे ये च परमयामा प्रवृत्ति रये ॥ प्रवृत्ति रये स्यात्तमा वद्वी रिको दे स स्यात् वद्वी संज्ञ
क यनुता ॥ ओदे स हो सः ॥ अवर्गा अवर्गा दि रवी न रे जाद्यो यच आदि नाहुते ऐते च्यातु या
ती रूपमा हुते च्यातु रे च्याती रूप नाहुते च्यातु ओह रूप माहुते च्यातु परमयामा प्रती च जरे
प्रथमात्तु परमयामा वद्वी रिको दे स स्यात् वद्वी संज्ञ क यनुता ओदे स हो सः ॥

[illegible]

परम असत मो अमा म गुण गुणो परम सत मो जल नु वी कर्ग न्याय तयो त्या घं ल ग रिक न रण त न
 को ता दु क मा ता दु गु यो परम भा ॥ प्र स व द व न स त र स व द क म व त स स व व स न स व द
 ३ क र सा स व द द स न स व द द स न व द र वी न र वी री को दे स स पा त व धी स द व क ध ता
 आ दे स हो स मा प्रा द यो प्र आ दि ग मा क क्री यो ऽ न क्री यो ऽ मा ऽ न स ग र ल द्वा स
 ऽ न स ग र स र्वा हु न स ते ॥ य ते इ जो ध न र ले प्रा द यो प्र आ दि ग मा क नु म स र्ज म नी ऽ
 गु ण व र्गो मा नो नो नो क्री य क त क हु ने म्मा द यो प्र आ दि ग मा क क्री यो ऽ न स ग र ल द्वा स
 चा तु स र्वा हु न स ते ॥ अ व र्णा त्ता त् अ व र्णा अ त्मा मा हु ने ऽ न स ग र ल द्वा स
 क र सा दौ ऽ न ता त्ता त् अ व र्णा त्ता त् अ व र्णा अ त्मा मा हु ने ऽ न स ग र ल द्वा स
 र व र्णा त्ता त् आ दे स हो स ॥ आ त्मा म अ व र्णा त्ता त् अ व र्णा अ त्मा मा हु ने ऽ न स ग र ल द्वा स
 ल ग र वी न र द्वा दौ ऽ न ता त्ता त् अ व र्णा त्ता त् अ व र्णा अ त्मा मा हु ने ऽ न स ग र ल द्वा स
 त्पर र्ण प प द्वा त्ता आ दे स हो स ॥ अ च म च अ च म च अ च म च अ च म च अ च म च
 अ त्मा जो अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल अ त्मा ल

३
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[illegible]

स्मार्तपितृव्यस्यानुमाहोसः॥ डीतडका इतसे जाहुनेको अने कालाजि अने क
जलमा हुनेको पनी अन्तपद्मी वस्पात अन्तपको मात्रे होसः॥ पदाति पक्का अन्त
पार ह्याका पदन्त तस्मिन् गो पदः अन्तपमा हुने गो सबदे देखात अवडः वास्पात अ
वडः अदेसः सर्वाक लपरे गरिक न होसः॥ अचा अचपर भयमा ॥ डी गो सबदे
देखात अवडः रमात अवडः अदेसः होसः इत्ये इत्ये पर भयमा ॥ दुरातता
देखात सम्मो व्यत सम्मो व्यत दे अचा विसे वाक्य स्प कोला हुनु अचको तेता
को पुलुता वास्पात पुलुता विकल पले गरिक होसः॥ एते पुल तर प्र ग्री ह्य गो
धनसो मची अचपर भयमा प्रकृत्यास्य नस्त ताका तसतो हुन ॥ इत
दीर्घ अन्तपमा हुने इत दीर्घ अन्तपमा हुने ऐत दीर्घ अन्तपमा हुने त्यो अन्त
मा हुने दी वचन दी वचन वक्त प्र ग्री ह्यो सीत स्मात प्र ग्री ह्यो सीता होसः॥
अस्मात् एत अद सबदे देखात पुलती कर्मा इत्युतो दीर्घ इत्युतो दीर्घ इत्युतो
इतको प्र ग्री ह्यो रत्न प्र ग्री ह्यो सीता होसः॥ अद व्याची द्रव्य भीत अचला इक

हने चादयो च आदीग पावन नीपातस्य नीपातर्थाह ॥ यक् अच यक् उ
च मा हुते नीपात नीपात जो दत्तस्य आइवज आइलाइ दोधर प्रग्री ह्यस्यात् प्रग्री
ह्यर्थाहो सथा के सवरा येर वा के अर्जर सवरा अर्ज युज्यामा अर्जित डीत
डीत न हो स ॥ अत्यत्र अरु आहुता डीत ॥ डीत हो स ॥ इसय अ अर्ज अर्ज ५ स
मतात अर्ज आ स र्जा ज रत्त भो ॥ ओर वत्त डो अर्ज मा हु ते निपात निपात जो द
न सो प्रग्री ह्यस्यात् प्रग्री ह्यर्थाहो स ॥ सप्रवृत्ती न मत्त प्रीति क ओ वत्त र
सप्रवृत्ती निपात क भया का ओ कर्मा दत्त र्थाह विकल्प ले प्रग्री ह्यो प्रग्री ह्यो र्थाह
जा हो स अर्ज दी क इतो जे र वे रो क भो न इत र्थाह प्रग्री ह्यो ॥ मन्त्र पर र्थाह मन्त्र दे र्थाह
न प्रतीति क डीत ओ डीत को वा क र्थाह विकल्प ले गार्जित ते वत्त वत्त र्थाह हो स
अर्जो अर्ज पर भया मा ॥ पदाना पका अर्ज मा र्थाह वत्त इव इव र्थाह हो स
वा र्थाह हो स विकल्प ले हुत अर्ज र्थाह जी सवरा प्रीति अर्ज पर भया मा ॥

[illegible]

[illegible]

नीदेसेतजजीचपोनतकनीदेसलेकीधमातकार्यगतैकाधर्मज्ञोदुनूसाव
शातेरशाआकनिशालिअव्यवहितसमनवकाकोजाकापरस्पपरतीकेसिधम
जीनूहापरस्पपतीकिअद्विहितजीविआतगाओततस्यादेतेसेकोआदिमा
कोवोव्यमजानूहाअयोसस्पअयोसप्रयत्नबालुमहाप्राशास्पमहप्राशा
प्रयत्नबालुसस्पसंकाकेतादृसप्रवजतेप्रतनबालुसस्पसंकाकेवावक
रुहोमहाहलनगरस्पहलदेस्वीनपत्तीकीरुहुरुकास्वातमासवरोरि
सवराउत्परमयाजावावेकलजेरोजस्यातलोपहोसदास्वरिपेरस्वरिपर
मयाजाइलीइलकास्वातमाचरस्पचरहनुहोइयोहेममस्मपरस्पइयोदे
स्वीनपत्तीकीहस्पहकाकेवावेकलजेपुर्वसवरास्यातुर्वसवराहोस॥
तादस्पतादप्रयत्नबालुयोसस्पयोसप्रयत्नबालुसंवारस्पसंकाप्रयत्नबालुमहा
प्राशास्पमहाप्रयत्नबालुतादृसोवगचतुर्वतेप्रयत्नबालुवगचतुर्वद्वकगरहोस॥
जदातात्पकीअमयास्वाकाइयपरस्पइयोदेअधीत्पत्तीकीसस्पसंका

केदिदं दृक्काशेदेसहोरात्रमता अत्रपरमं कर्मविकल्पपरिहृती अत्रपरमं धामा ॥ त
 दूरीवद्वत्तत्राह दस्य दृक्काशे कुलेत चतुर्गदी ॥ अकारे कृते उकारगदमिा र्वरिचेती
 योसुत्रले उकारस्य जकारके ॥ अकार जकार जकार होस ॥ द्रव्यम द्रव्यहोरात्र अत्र
 रमयामा द्नीयसे वाचां गानीकत भनूं पदस्य पदुती को मीतस्य भकार अमाहे
 अनुस्वारस्यात् अनुस्वार होस हली हलज रमयाम ॥ मस्य नंका अनिपमा हुने मस्य च मका
 अनिपमा हुने कोपनी पदा तस्य पदा तमान भमाका म्लीप्ल परम धामा अनुस्वारस्यात्
 अनुस्वार होस ॥ अनुस्वारस्य अनुस्वारको धायी ययी परम धामा परमपरापि
 ॥ रसावगाहोस ॥

स्याद। न स्यात्तत्र क। इमं न्यायान्तरमात्रं क। अननुविद्या रश्मि अनुप्रा
 र्क। यथापि परिप्रायी नर गय। मा नर सवर्षी। जा रश्मा तत्प्ररश्म। स
 वरा हि सः॥ अत्रि। वने क्री। व प्र स्या। न स्या हिने सान्ने। जेरे स
 त्री व्यानु प्र र गय। मा सते। स स्या स क। के। स क। के। स य। व स
 स्या त स क। स रौ द स हि सः॥ स र। पिर स क। पिर ग य। मा हि क।
 स रश्मि। रे पेर ह क। रौ द क्षी न्प्र र्ने। क। स स। स क। के। सौ वा स्या
 त स। क। रौ द स वि क ल प्रै र हि सः॥ य व स गे र य क। रू न क।
 र स क। र ग र हु ने ह क। पिर ग य। मा य व स। व। य क। र व क। र
 ल क। रू द्भ्या दे स वि क ल न्जे र हि सः॥ स न प्रै र ह क। रे जे र न क
 क। अ न्य स्या हिने ह क। प र ग य। मा स स। स स क। र्क। नो। व।
 स्या त न क। रौ द स वि क ल्पे र्ने। स हि सः॥ दानु प्र र स्य द क।
 र्द क्षी न्पि न्नि क। दा स्य द्वा क। र्क। य न्वा स्या त्ने। य न्वा स्या वि क
 ल्पे र्ने हि सः॥ टी कि नो टि कि नू य र्ने। ग नी न न स स्य ज स र्क।
 ह क। नो के। यो स स्य न स र्क। क। मा नू क र्ने जे। र क। न अ स्य न्वा य
 यो स न्नि त् ग य। आ दि अव य व गी य क न हि स। कि नू ग य। अ
 न्य अव य व गी य क न हि सः॥ इ क। र सा क। र यो इ क। र स। व
 क। र के। य न क र्द क। क यो। रौ वा स न य न क र्द क। अ ग। र वि

[illegible]

[illegible]

वास्यानीवसगविबनमपिहिसाहपदासस्यपकाउग
 लसामरहिमावनादादपसवनावेरसगुससवदस्यचासगु
 सवदेववीपनिरुसगानरुआद्वेक्षिहिसाहअपुनमादपु
 नमभीतिअनपरस्यअनदववापिनीकाशेरुक्कोदस्य
 मउवोहिसापुनमिनीनुनीभनीनअनूपनअथासाह
 अत्रुनमादपुनमभीनअनूपसस्यअनदेससीहसप
 नीवनीशेरुक्कोदस्यानुनोहिसाहसीहसप
 अथानाहश्रीभुजोअद्योअपुर्वस्यभोपुर्वमाहोभो
 पुर्वमाअद्योपुर्वमाहोअपुर्वमाहोकोशेरुक्कोपादस्य
 कादस्यहिसासीअस्यगगयाभाभाभोस्यभोअद्योसदीनद्व
 साकोसातासवनाअनवगारहिमाजनीनयानिभानसर्वोह
 नेवीभोस्यभोसअद्योसदनीद्वेनेपदेवनेथ

ॐ

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

卷二

श्री ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

अथर्ववेद

श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥
 दक्षिणाय नमः ॥ २ ॥
 वायवाय नमः ॥ ३ ॥
 उत्तराय नमः ॥ ४ ॥
 अग्नये नमः ॥ ५ ॥
 इन्द्राय नमः ॥ ६ ॥
 ब्रह्मणे नमः ॥ ७ ॥
 सूर्याय नमः ॥ ८ ॥
 चन्द्राय नमः ॥ ९ ॥
 शिवाय नमः ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

संक्षुपास्यशास्त्रे

सुधीनाहादुपास्यपदं शीतस्थितयेसोषीतीभयामा
 इकस्थाने इकास्थानमा इकृकनेमो सुकण्डकारे धी
 को इका इपास्यका दुकारेभो तस्थोस्थानमा पयास्यान
 प्रया अादसहोसअचीअचपरभयामा अचपरकनेदसु
 केककोदरेवानुधीको इकारेअचपदधिधीको इकाद
 रकारेवानुपास्यका दुकारेअचपदधिपास्यका दुकारे
 इरवीनपावो अाकारेअचपदधोपरभयामा सम
 हितायान विसरसामहीनाकावीसरमा समहीनाका
 विसर इनीहो कनेअचपरभयामा कने इकाकास्थान
 मा पयामानेहो यहासभननेनयेननेभयेपदधिअनिपमे
 अनेमभसका नानासा नीयमकारो सा निभहानेपरीभा
 सापरीभा सासुत्रदभदालिकुनेसुत्रदः सवनमिनीइ
 देसेनसवनमिमपदका नोदसलसवनमिमपदकनेमो
 इका पया चोकोअेचोभो तस्थोनीरुदसो विधीदमा
 नैका धीनैका धीनोदरेना नैका धीकनेमो पयाका धीम

मो ~~न~~ नो इ सो व रा नि मे रा आ का व रा नि अ व न ही न स्य
ने के वी या का पु व स्य पु व के वो अ न म जी न भ दा वी आ का
व रा नि के वी या न स व न मी न मा र्धे द र वी न अ व न ही न पु व
कु न द स्य धी व न इ का द स्य धी को इ का वी स्थान मा धी रा
म ने नो य व र ल इ ध पा यो पा ध म मा कु नो न हो व न नो हि य
हो स भ न ने ने म अ स न न भ र प धी अ नी य म न अ ने न भ र
का न ग म नी य म का री रा नि मे न न र्धे री भा रा ध री भा रा सु
न द भ दा व कु न सु न द पु स गी स मी पा य द द मा मा के पा य द
दा मा सु धी को इ का का स्थान मा य रा मे न के य व र ल इ
ध पा य पा य द दा मा स द स न म स्थानी का स्थानो स्थ
नी का उ अ र्धे स्थानी का पु रा री स्थानी का अ म न लो अ ने
न ग तु ग नो द री अ नो द स स्थान स्थ ही अ नो द स हो स भ दा री सु
धी को इ का वी के धा न न लो स्थान नो लो स्थाने य रा भ ने
को य व र ल इ न मा कु न द य द सु धी को इ व न लो इ मे न र
ध ग री मा सु ध य उ पा स्य मो म द प धी न अ व न र स्य अ
व द र वी न प र हे का अ न व कु न मो सु ध के अ का र मो न स रे

रवीनपरहेहका पारपरको पारकुनभो सुको प्रकारभो नस्का
देवास्तुतिवीकलप्ररो हासुनवचीअचप्रभयामानान
होसअचपरदेन ह्यप्राद सु अको अकाको द्वितभो सु अ
अयपुपास्यभो भसपदीनः क वताम जलका स्थानभो क
लकुनभो पुर्व अका भो नस्तुजरन उमादे स हो स प्रदी प्र म
यामा क र पार कुन द पला अका पदि क क र न का न स्का स्था
नमा सु अको अका अस्थानमा जसु सुने को जवगा द ३ इ
पपाय पायमा कुनगा ३ ने हु कुन नगान हु पाह स भने न
स भस न न भस पदी अयमि अने स भये का जगा मा नी यत
कारिणी ने गने प्री भासा परी भासा सुन द भद्रा ने कुन सुन
दः ३ प्रसीसनी पोय द दामा के पा रे द दामा सु अको अका
को स्थान मान स भने को जवगा द ३ पमा य पा द द दामा
के का द द स द सतमा स्थानी का स्थान दो स्थानी का अर्थ
दो स्थानी का गुरा दो स्थानी प्रमान दो अने सत वने मो द सो अदे
स स्यात स्वही अदे स हो स भद्रा वने सु अको अका को के ठान
द न स्थान द न स्थान ने ज स भने को जवगा द ३ नगा कुन द द

दसु ध्वको अक्काती इमे तारदक्का एमो सुद अय उपास्य प्रो भ
 सपदीनः अनचभी अचले अनचव हीमा हवन दानि दग्गा हदव
 यामो दसो अनचले नक्षेकी दको ह दवर्गा कुन मो द अय इ
 नी भो सप्तयोगा सर्वा सु सप्तयोगा सर्वा इ न भद्रा व सुद
 अय इ न्ना इ सप्तयोगा सर्वा मो भये पदीनः सुवन म सुव
 न नदी रतीऽ न म न नी ॥ ३ ॥ न तदा धी पनी भद्रा व आ हा के द
 सुवन तदा धी द पद सर्व म स्या न पद सीता हा स भद्रा व सुद व
 प इ न्ना इ पद सर्वा मो भद्र पदीनः सप्तयोगा न म सप्तयो
 ग अनो मा इ ने सप्तयोगा कुन मो द अय इ नी मो द न पद म जो
 पद पद कुन मो द अय इ नी मो न स्या ते स पद को ते स पद कु
 न मो सुद अय इ नी मो गो प स्या न गो प हो स भद्रा व सुद अय इ
 न्ना इ गो प पा द धी गो पा ये माः ओ द स ओ द स जो द सो उ ना
 दे स कुन मो गो प ओ द स मो स की नी दी द्या न ये स्य अ व स्या
 न स स्ये न न पद वो ध्वको जो अ न्ने अ न स्या न स की कुन मो स न
 योगा न त स्य प मो पद वो ध्वकः कुन मो द अय इ नी मो ने स्के
 अ न्ने हल कुन द पा द स्या न हो स भद्रा व प का के गो प पा

यथापराङ्मुखोऽपि पलायनात्क्रियात्क्रान्तिर्भवेत्तन्नीत्य
 योवाच्यतोपनहस्यभननभद्रादोपवाकोऽपिपभस्यः नभर
 पदिअ०योमोवर्गाअनलोहीनभयानोवर्गागोदसोवर्गिभ्यः अन्
 दोहीनभस्यकोवर्गाक्रान्तिर्भोदययइनीमोपरिआवनीप्रल्लोअच
 कनआडददनेभद्रादोप्रल्लोअचक्रान्तिर्भोडपास्यनोडकाभिपि
 हेरुपास्यकोडकामोदागोपुसुदआद्यपास्यमोआरादुमादा
 गोसुदङ्गपुपास्यभोदाराअस्यमादागोपुसु०पास्य
 भो

मङ्गलीसाधने

मधुमाहादअरीपदइनीस्थीनेरसोस्थीनीमयामाःइक
 स्थानेइकास्थानमाइकास्थानमाइक्रान्तिर्भोमधुकोडका
 भोनेस्कास्थानमापरास्थानेपराओदनेहोसअचीअच्य
 रभयामाअच्यपुक्रान्दअरीगोअकाएदनेयोपरमयामा
 समहीनायामवीसरसमहीनायवीसरमासमहीनाकावीसर
 इनीहोमधुकोडकावर्गस्थानमापराभनेर्कापुवर्गइ४पाय
 पायमात्रानेहोत्रानेनोहोपहोसभनेनेनेभनेनभरप

५२
 धीः अनीयमेवमभ्यस्तकाजगामानीप्रसक्तगीताभिनेन जनेप्रि
 भासापरीभासा सुत्रद भयदोवुने सुत्रदः स्वयमेव प्रसिद्धे सती
 पारददामा केधार ददामा मधुको उकार्वा स्थानमा पया भिने
 को पत्ररद ४ पापपार ददामा सदसतन स्थानीका स्थाने
 स्थानीका अर्थे स्थानीका पुणो वे स्थानी प्रमाने दो अने नून
 पुषुगे जो दसो ओदसस्थान स्वही ओदुहोस भयदो मधुको उकार्वा
 नो वे कथान वसदस भानुव क मठर स्थाने पया भने को पत्र
 दद ५ भयवकार ममा कुन द नून मधुको उकार्वा इमे नरे वाकार
 भाम धन अरी भो भट पदीनः अनवप्रास्य अचद रवी नूपर
 हेका अवकुन भो मधुको वा नो भो निसिखी नूपर लि का पया
 के मधु कुन भो मको अका भो निसुको दधम दीन वी कस्त
 दो मस्व वी अनवप्रा मयामाना नहो मभय अचपरे देन ह
 एमद मधुको अका के दीन भो मधु अच व अरी गो मर पदीन

५२ ग

विचारो रगा मभ

[illegible]

गोपार्थ भ्यो नमः ॥ ३१ ॥ गोबुधेभ्यो नमः ॥ ३२ ॥ दत्तत्रये नमः ॥ ३३ ॥
 वादीपभ्यो नमः ॥ ३४ ॥ कुवलाय नमः ॥ ३५ ॥ सुसादसु विभ्यो नमः ॥ ३६ ॥
 कंसादिभ्यो नमः ॥ ३७ ॥ ततो मभ्यो ॥ ३८ ॥ दार्पय नमः ॥ ३९ ॥ दभ्यो नमः ॥ ४० ॥
 दुर्गाय नमः ॥ ४१ ॥ ब्रह्मणे नमः ॥ ४२ ॥ अरुणाय नमः ॥ ४३ ॥
 वसिष्ठाय नमः ॥ ४४ ॥ अन्नजन्म हनयं न गाल्ये वनार्द्धके ॥ ४५ ॥
 लं सदीपाय नमः ॥ ४६ ॥ आशु ध ॥ ४७ ॥ भद्रा प नमः ॥ ४८ ॥
 पूजा ॥ ४९ ॥ अवता रस हस्पाशिके शीमस धुसुदनः ॥ तेन स रथा
 वता रासां कश्चि ज्जा ना निवे सुनिः ॥ देव ब्रह्मादयो वापि स्व
 रूपं न विदुस्त्ववः ॥ ५० ॥ रत्नां धूनी पद्या मिमा सुस्वरा संस्थी
 ॥ शीतपथी न्वा ॥ ५१ ॥ यद्वा यदेव किं नार्भ संभूतं देवैः सैव विना शनः ॥
 गृह्यार्थ मिमं देव मातु सं नमो नमः ॥ ५२ ॥ इत्येव न वा ह्या भ्या पीय न
 ॥ ५३ ॥ योगा य योगो वा द्यो जसं भवा य योग पतये गो नि न्वा य नमो न
 मः ॥ ५४ ॥ इति स्नानः पर्येत् ॥ ५५ ॥ देवकी चतुर्देवा यः वल मद्रा यते नमः ॥
 न न्वा य च य सो दार्ये क प्पा य न्वा रुपि य सो ॥ जातः कं सर्व वा
 र्था य भू भूतो हर सा य न ॥ अहं सा यं सदा दत्त देवकी सीति

[illegible]

गामामिससहृदवैदेवकिन्दनविभुस॥ इति वागगाधिदस्सुतिः॥ त
 त्पुदिनेवन्द्यैर्धृदयनमनेनमनेषा॥ अथ स्मार्थाद्गृह्णन्त्याद्युक्तं
 वद्वोक्तवाक्कामोजनार्थपुष्पादौते अद्वयार्थज्ञानप्रदं करि
 षे ॥ अथ सिद्धी नवसंभूतअव्वीनेत्रसमुभेवानां ॥ गृह्णन्त्याद्यु
 क्तसार्कस्यैरिष्टायासनप्रभेदेयोर्ध्वं द्रुमसेनमः ॥ इति अर्थद
 त्वा ॥ ततः प्रभातीवसुर्नयेत् अनेनमं त्रेणा ॥ यदेववीदेवी वयुदेवोक्त
 पानिजनत ॥ भोमसस्ववृत्तगोपुर्ध्वनस्यैवृत्तात्मनेनमः ॥ नमो
 नुवास्तुदेवाय गोप्ताय नृणाय च जगत्प्रीताय च हृत्ताय नमो नमः
 ॥ सातिरस्तु शिवं चास्तु गोविन्द नमस्तस्मै नमो नमो नमो नमो
 नमः स्वरस्यानं गच्छन्तु रदुपहृत्पुनः प्रसां स्याद्विस्मयं येन
 ततः संकल्प्यैव पुष्पिषा गतं नृत्तानं हन्त्वा ॥ दम्बसि सिंहाय
 नः पुनसातिगृहस्ते हन्त्वा ॥ अथ भाद्रकस्नायुत्तमासीधरा
 सिंहाते स विनिरिहते तेज्जनमायुषि सांवेनेऽपवासा पूजा स्मां गता
 सिद्धार्थदायं गतां हि रापमभिदेवतं ॥ अमुकगोत्राय अमु
 कसमर्थो ह्यस्तु साय भो जनेतरं पश्यन्त्यग्राह्यं न भूयिष्येत् इति श्री
 जन्मयायुमि प्रतपुजाविधिः समाप्तः ॥

सुधी उपास्यमिति हर्षकार्थकारणमैधु
हे गराउन् ॥ सुधैद्यकाकोरुकागरीरुकार्थमि
स
सवैहृत्तव सुधुपासा ॥

सुधी उपास्यमिति हर्षकार्थकारणमैधु
पुर्वेद्यकाकोरुगरीरुकार्थमि हृत्तव सुधुपासा ॥
सर्वापि वन्तीपवनं नवदुर्वलात्ते सुस्के स्रुवैव नं गता सुविनभ
वन्ति ॥ स्तनैस्त्रुतेः सुवि वरागमयति कालन सन्तोष एव प्र
सस्वयं प्रथमम् ॥ १ ॥

21/2

21/2

21/2

21/2

21/2

21/2

21/2

21/2

21/2

पदं रक्षतुं न शक्यं नाना रीति र्भाष्ये प्रका
र्यते रक्षा रीति र्भाष्ये प्रका

पर्वणीपायोपरपरीष्टपायोचवहिनमपर्वणीपाअथवाहिष्टमा
 पानिपायाभवाभाअं पुषवर्कंनयोविनेइकारुणाअवपरमानि
 कनमुकाहकोस्थानमपरमपायोहस्यकाहुनर्थाइअदपर
 मानिकनीवीकाइकाकस्थानमपरापायाकोअनर्थाइइ
 वपरमानिकनपुषास्यकोहकोस्थानमपरापायोपिहैपुषापा
 यामाअवपरकाहपायोसुकाहुकाहानभवपरमानिकनवीका
 इकाकास्थानमापरापायावकाइकाहइअवपरमानिकनपुषा
 स्यकाहुकाहस्थानमापरापायोपराहिनयोपायामाअवनिहिनको
 अवयावहिनमाकापायोवीधमईकाहइअपहमानोकाहसुकाहुका
 कोस्थानमापरापायावकाहमाकाहनिइअवपरामानिकनपुषास्य

श्रीगणेश मंत्रावली

कार्त्तिके नमः प्रणमः प्रणमः

स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः

ॐ श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

कलुहलिकेभावात्तद्विज्ञाह
वाप्राणां यमल्लोकायक
लोपिद्विद्वद्वेनेनेद्विद्वद्विज्ञाह
कलुहल्लोकायक
कलुहल्लोकायक

लोपिद्विद्वद्वेनेनेद्विद्वद्विज्ञाह
कलुहल्लोकायक
कलुहल्लोकायक

लोपिद्विद्वद्वेनेनेद्विद्वद्विज्ञाह
कलुहल्लोकायक
कलुहल्लोकायक

लोपिद्विद्वद्वेनेनेद्विद्वद्विज्ञाह
कलुहल्लोकायक
कलुहल्लोकायक

लोपिद्विद्वद्वेनेनेद्विद्वद्विज्ञाह
कलुहल्लोकायक
कलुहल्लोकायक

श्री

नत्वा सरस्वतिर्नन्दविमसुधीगुह्यकरो महत्प्राप्तिनीयप्रवे
 जाय लब्धुश्चिधीनिकामुदीम
 सुधानसुषस्फपभटकिः पुष्पाप्रसन्नपुण्यलपुक्कनभटकीः
 सरस्वतिमसरस्वतिनाउगारकिदीवमदैविकनः नत्वा नम
 सकारगैरः प्राप्तिनीयप्रवेजाय प्राप्तिनीदीवनाटकोसा
 रत्राभावुधप्रवेससुसभनाकानिमित्तः वाद्यसंभान्तकोमुदीम
 द्युद्दिधाननाउगारकिकोमुदीकनभटममोदुसाकरो

मिवनाउदु

अइउया १ मृदक ३ टओइ ३ रेओच ४ हयावर

श्री स्वस्ति श्रीनवो

कसतुरेमाभा श्री ॥ स्वस्ति श्रीमवो

॥

स्वस्ति श्रीमहत्पाठमादोफलाजायाउवहनेपाजा नोदे
 स्वस्ति श्रीसहकाठमादोफलाजा

कलुगिभिर्भा १
पौषीकां वाह्यं नाला १
होमिभाभं नाला १
कलुगिभ्यो नाला १
होमिभ्यो नाला १
होमिभ्यो नाला १
होमिभ्यो नाला १
होमिभ्यो नाला १

श्री

पाहाकि १
यामि १
दा १
हिंजा १
व्यपेतापोविनाभ १
व्यचिवाधिसचात १
नमो नुकाकोवास १
केतु १

नत्वा सरस्वतिं देवि शुद्धीं गुर्यान् करोम्यहम्
पाणिनीयप्रज्ञाय चतुस्त्रिंशन्नको
गुर्यान् करोमि पाणिनीयप्रज्ञाय चतुस्त्रिंशन्नको
मुदीम् । मुदीम् गुर्यान् सरस्वतिं देविम् नत्वा
पाणिनीयप्रज्ञाय चतुस्त्रिंशन्नको मुदीम्

सुखामसुखं स्व रूपमस्य किः गुरपी प्रसरत्तु सादो सुखमस्य कि
ः सरस्वतिमस्य स्वाननात् गुरार्किः दीविमदीवि कनः नत्तान
मस्य कारो रूपाणि नयि प्रवेदाय पाणि नीलो वना द्यो द्या स्त्र
मायु द्वी प्रवेस्ये रा मद्रा का निमते न द्यु। स ज्ञान को सुदी म न
द्यु मि ज्ञान नात् गुरार्कि को सुदी क न अहममो द्यो सा क रं
मि वनात् द्यु द्यु। अरुत्ता १। अरुत्ता २। स ओरुत्ता ३। से वी व
४। द्युत्ता ५। द्युत्ता ६। नमत्ता नमत्ता ७। नमत्ता ८। द्युत्ता ९।
नव ग द्युत्ता १०। स्वपत्ता ११। कपत्ता १२। द्युत्ता १३।
द्व्यत्ता १४। इति साहे स्वराणि सु आणि असा दीर्घा रथानीः इ
ति पत्ता क हरि का सु आणा च उ द्युत्ता द्यो सा नाहे स्वराणि

महेश्वरात् आगता गीमाह स्वकावर प्रसाद देवार्था इत्यादि सु
 गीमा च उधसुवमादसा असादीर्घा गीमा असा दीर्घा
 कार्गमा निमातर्जिनु ॥ १० ॥ हकारादक्षकार उवागार्थ हकारादीषु
 हकारादीषा मापरका अकार अकार मोदसा उवागार्थ उव
 चार्गानाका निमातर्जिनु ॥ ११ ॥ लसम व्योत्रोत्तराकः लसम व्यो
 त्रं लसुवकादि च मापरका अकार अकार मोदसा इत्यर्था
 क इत्यर्था निमातर्जिनु ॥ १२ ॥ हलन्त्यम हलन्त्यम दीपद नादि
 सुञ्जमे ॥ उपदस अन्यम हलन्त्यम उपदसे उपदस का च
 मारुको अन्यम हलन्त्यम अन्त्यका हलन्त्यमोदीपद नादि
 इत्यर्था होस ॥ १३ ॥ उपदस आद्या च चार गाम आद्या च चार गाम
 धाशिनीय कात्यायाणा पर्नार्जि इत्येव प्रथम उच्चारणाज हस
 उपदस उपदस कहीह ॥ १४ ॥ सुवेष्व दक्षिणे सुर्वीत्तरा च
 सुर्वीत्तरा च सर्वे ॥ सुवेसु सुवेसु मारुका अदक्षिणे पदे न
 दक्षिणाका पद मोदसो सुञ्जान्तरात् आकार सुवेदषा अनु
 वर्तनीयं अनुवर्धमानु सर्वे च आद्या काज गामा ॥ १५ ॥ अदक्ष
 नं दक्षिणाका पद मोदसो सुञ्जम प्रसक्तसमादसं नमस्त
 पर्वीत्तरात् प्रसक्तस्य उच्चारणा प्रसक्तको अदक्षाने उच्चा
 रणा ननु मोदसा वापसंज्ञं स्यात् वापसंज्ञा होस ॥ १६ ॥ तस्य
 वापसस्य वापः दीपदमिदं सुर्वीत्तरा वापस्य तस्य तस्य
 इत्यर्था वदराको वापस्य तस्य वापस्य ॥ १७ ॥ गामादया गामाद

धर्मात्मादयो रारादीगच्छा वा ० अराग द धर्मा अरा आदीगच्छ वा सर्वज्ञा
 निमीनर्जिनु ॥ ६ ॥ आदीरनेन सहेता आदी अन्त्येन गह इता चतुस्र
 पदीभिर्द सुब्र अन्त्येनेतासहीति आदिर्मध्यगार्त्त स्वस्य च र्मज्ञा रारात्त
 न्यनेता अन्त्यमा रहेको इत्तपरतिन सहीतादि र्मज्ञापरि सका आदि कर्मा
 जोहसो मध्यगार्त्तमात्रमापर कावर्त्ता कोर ॥ स्वस्य च आदि वर्त्ता कोर
 नी र्मज्ञा रारात्त र्मज्ञा हेता ॥ ६ ॥ पठ र्मिनि अरु उ वर्त्ता र्मि र्मज्ञा यठान
 हे अरा शान अरा यमो भनकिन अवर्त्ता इवर्त्ता उ वर्त्ता इत्तका र्मज्ञा
 रारात्त र्मज्ञा हेता ॥ ६ ॥ एवम क अच हातिन्या हातिन्या दय स्व
 म्स्मदोप्रकारले अक प्रत्यहार अच प्रत्याहार ह्यप्रत्याहार इ
 त्यादयो र्मादीगरे वा प्रत्याहार भनर्जिनु ॥ ६ ॥ उक्तालो न प्र
 दीव्यपुत्र उकार अच ह्रस्व दीव्यपुत्रः र्मिपद मिर्द सुब्र उमय
 उमच उ र्चवः उम च सक मावका उकार उम च दीमावका उका
 र उम च निरमावका उकार इत्तया इ भिनु व ॥ ६ ॥ वी काल इव कालो
 रस्य सा च कमान ह्रस्व दीव्य पुत्र र्मज्ञा रारात्त र्मा उकार विधा नासु नि
 भावका उकार को काल इव कालो रस्य उ च्वा ररावकाल सद म उ
 च्वा ररा का ल जस अच का स अच सो अच जो ह सो कमान
 कर्मो ह्रस्व दीव्य पुत्र र्मज्ञा रारात्त ह्रस्व र्मज्ञा दीव्य र्मज्ञा पुत्र र्म
 र्मो ह्रस्व ॥ ६ ॥ सप्रवे क मुदा रता दी भेद न विधा स सो अच जो ह सो
 प्रो क म्स्क सक गारे उदात्ता दी भेद न उदात्त अनु दात स्वादि न इ
 न्का भेद लो विधा नि नि न प्रका को र्जिनु ॥ ६ ॥ उच्चे रुदातः

उच्चैः उदात्त द्वीपदमिदं सुअम उच्चैः भनेका तालादिस्थान
 का अर्धभागमा उच्चन्न भस्का अचुनादसो उदात्त उदात्तस
 माहोत्सा ॥ ३॥ निचैः नुदाना निचैः अउदात्त द्वीपदमिदं सुअम
 निचैः भनेका तालादिस्थानका अर्धभागमा निचपन्न भ
 सका अचुनादसो अउदात्त उदात्तसमाहोत्सा ॥ ३॥ समहोर
 स्वरितः समहोरः स्वरितः द्वीपदमिदं सुअमः समहोर भनेका उदा
 त् अउदात्त सकृदा मापरका अचुनादसो स्वरितः स्वरितसमा
 होत्सा ॥ ३॥ समवधि धोपिघनेक मनुनासिक ननुनासिकत्वा भ्याम
 द्वीधाः समो अचुनादसो नवविधो अपिद्विप्रकारो दृष्टापत्तिः प्रवे
 कम् सकृत्क अर अनुनासिक ननुनासिकत्वा भ्याम द्वीधा अ
 नुनासि अनुनासिक अनुनासिकत्वा भ्याम द्वीधा द्वीधा
 प्रकाको नु ॥ ३॥ मुखनासिका वचना नुनासिकः मुखनासिका
 वचनः अनुनासिकः द्वीपदमिदं सुअमः मुखसहित नासिकयो
 चादसाया वरानुनासिकसिंहास्यातः मुखसहित नासिकया
 मुखसहित भस्का निनासिका अचुनादसो अनुनासिकसिंहा
 सागने वराजोदसो अनुनासिकसित स्यात् अनुनासिकसिंहा
 होत्सा ॥ ३॥ तदिधम अउत्तमसमा वरानुनासिकसिंहा
 भेदाः तत्तत्समाहोत्सा तेस्का द्वावद्वयं पूर्वा कृतप्रकाश
 अवर्ग इवर्ग उवर्ग भवरा ससा वरानुनासिकप्रनेकमस

कस्वगारे अकादसमदाअन्धारप्रकोजिनु ॥३३॥ वृषा
 सदादसः वृषास्य वृषाको द्वादसावाहप्रकोजिनु ॥३४॥
 तस्य दीर्घा भावानः तस्य सो वृषाको दीर्घा भावान दीर्घा नहुना
 दो ॥३५॥ सचामर्षि द्वादसः सचामर्षि सचकोपनी द्वादसावाहप्रका
 को जिनु ॥३६॥ तेषां ह्रस्वा भावानः तेषां तीक्ष्णको ह्रस्वा भावानह
 स नहुना दो ॥३७॥ तुल्यास्य प्रसूने सवर्णा तुल्यास्य प्रसूनेः सव
 र्णाः क्षीपदमिदिमुजसः तालादिस्थानमाभनारप्रसूनेः सव
 र्णस्य यनतुल्यं तमीथमवरागिजिस्थानः वस्य जउनवर्णिका जन्म
 भस्का तालादीसूथानम तालादीसूथानर आभेनारप्रसूने न
 सचे ते आभेनारप्रसूने नपनी इते नद्वयम इधमि जो द्वादसा
 सनजसवराका जन्म तालादीस्थानर अ भेनारप्रसूने ले
 तुले मनुज द्वादसो वरा द्विजोदसो मिठपरसपरमा स
 वरा सैम स्थान सवरा मीजा हुता ॥३८॥ अमृवरा योगे सव
 र्णमवाचमः अमृवरा योगे मिथः सावर्णिसवाचेमः विषदमिदि
 वार्तिकम् ॥ अमृवरा योगे अ वरा वृषाको मिथ परसपरमा
 सावर्णिसवाचे सवर्णिसर्वाहसमन्त ॥३९॥ अकृद्वि सजर्ण
 यार्णिकराह अ अठा प्रकाका अकार फूकवर्ण करव जाद्वड
 ह हकम वि सजर्णिया न वि सजर्णीय इतको कषा हकम हक
 स्थान भर्णिनीनु ॥४०॥ इव सस नीतानु इ १८ प्रकाके इका

रतु च वर्गे च छ ज ङ अ ण य वा र वि स र्त्त नी पा र्त्त वि स र्त्त नी य इ न्नो
 ताल ता दृ स र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३० ॥ अ नु र वा मु र्त्तः अ ३० प्र का
 र्त्त अ कार तु त वर्ग ट ह ढ ण र रे फ ष ष णि ने ष कार इ
 न्नो मु र्त्त भु ण स र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३१ ॥ दृ तु ल सा नी दै म
 दृ १२ प्र का र्त्त दृ कार तु त वर्ग त थ द ध न ल ण कार स द न
 म कार इ न्नो द रा ल द रा त र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३२ ॥ उप ष ष्मा नी या
 नी भो ष्ठोः इ १८ प्र का र्त्त उ कार पू ष ष र्त्त प फ व भ म इ प द्मान नी या
 नी उप द्मान नी य इ न्नो व ष्ठो व र्थ स र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३३ ॥ अ म ड
 रा नाना ना सि का चः अ म ड न्मा ना नी अ म ड ण न इ न्नो ना सि
 का ना सि का र्थान भ नी ज नि नु च च लार द रा णे अ फ ना अ फ ना
 र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३४ ॥ स दे तो क रा थ ता दृः स दे तो स का र्त्त स दे
 र्को क रा ठ ता दृ क रा ठ ता दृ र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३५ ॥ ओ दो तो
 क रा ठो र्थान ओ दो तो ओ कार ओ कार को क रा ठो क म क रा ठ व
 र्थ स र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३६ ॥ व कार र स्य द रा ठो स थ म व कार
 र्थ व कार को द रा ता र थ म द रा त ओ स वृ थ र्थान भ नी ज नि नु ॥ ३७ ॥
 ॥ डि ला मु र्त्त य स जि ह्वा मु र्त्त म जि ह्वा मु र्त्त य स जि ह्वा मु र्त्त य को नि
 ह्वा मु र्त्त म जि ह्वा मु र्त्त य र थान भ नी ज नि नु ॥ ३८ ॥ ना सि का नु
 सार स्यः अनु सार स्य अनु सार को ना सि का ना सि का ना सि का का

नभिर्नर्जनु ॥३॥ पत्नोदि ॥ पत्नभनेको प्रस्तननोद्युसो दी ॥
दीक्षीप्रकारोर्जनु ॥३॥ आभेनतरोरहेस्तु आभेनतरभनेका
भेनतर प्रस्तन वास्तुवहा प्रस्तनपनी दी ॥ दीक्षीप्रकारोर्जनु
॥३॥ आद्य पञ्च ॥ आद्य भनेकोपेला आभनतर प्रस्तनर
पञ्च ॥ पाचप्रकारोर्जनु ॥३॥ सृष्टेष्टनष्टेष्टदीष्टनसर्वनभे
दातः सत प्रस्तन इवत्सत प्रस्तन इवद्विवन प्रस्तन विवत प्रस्तन
सर्वत प्रस्तन इवकोभेदात् ५ प्रकारोभेद भनिर्जनु ॥३॥ तत्र सृष्टिप्र
पत्नी स्वर्गनामः तत्रति पाचप्रस्तननका मध्येमा स्वर्गस्वर्गसर्वज्ञ कव
राको अर्थात् कदेति मन्म कावराको सृष्टिप्रस्तन सृष्ट प्रस्तन
भनेर्जनु ॥३॥ इतत् सत मत्तर भानाम् अनका नाम् अनसु
सर्वक वराको अर्थात् पत्नरत्न इवको इतत् सत मत् इतत् सृष्ट प्र
स्तन भनेर्जनु ॥३॥ इवदीष्टन मन्म गामः इवरागाम् उक्ता सर्वज्ञ
राको अर्थात् शापसद्वको इवद्विवतनम् इतत् इवद्विवतनम्
नभिर्नर्जनु ॥३॥ विवतनम् स्वरागाम् स्वरागाम् स्वरा सर्वज्ञ कव
राको अर्थात् अचको विवतनमिवतन प्रस्तन नभिर्नर्जनु ॥३॥ इ
समावर्गस्य प्रयोगे सर्वतम इवसावरागाम् इव अचराको
योगे प्रयोगागामा सर्वतम सर्वतम प्रस्तन नभिर्नर्जनु ॥३॥
॥ प्रयोगादसाम् ननु विवतमव प्रक्रमेयादवापि तु सारत्र प्रविधि

पुनि दत्ता माता विवृत मेव विवृत प्रसन्न भर्तुर्जीनु ॥ ३० ॥ वा ह्यप्र
 सन्न रश्मे कादस धि वा ह्यप्रसन्न ननु वा ह्यप्रसन्न न ना सकादस धि
 स्यात्प्रकारोर्जीनु ॥ ३० ॥ विचार सीवर भ्यासो नादो व्योमो अ
 व्योमो अल्प प्राणा महा प्राणा उदातो अनुदान स्थिति श्रुतिः वि
 वात्प्रसन्न सीवर प्रसन्न श्रुति प्रसन्न नाद प्रसन्न व्योम प्रसन्न
 न अर्था स प्रसन्न अल्प प्राणा प्रसन्न मा ह्य प्राणा प्रसन्न उदात्त प्र
 सन्न अनुदान प्रसन्न स्थिति प्रसन्न श्रुति इ प्रसन्न परिनि सका
 दस धि ११ प्रकारोर्जीनु ॥ ३० ॥ नव नो विवादा सा मा अर्था सा श्रुः रवर
 रवर प्रत्या हार मा परे का वर्गी कोर विचार सारा अर्था सा श्रु अ
 व्योम प्रसन्न भर्तुर्जीनु ॥ ३० ॥ ह्यस शीवरा नादा व्योमा श्रुः हिसः
 ह्यस प्रत्याहार मा परे का वर्गी कोर सीवर नाद व्योम श्रु व्यो
 म प्रसन्न भर्तुर्जीनु ॥ ३० ॥ वर्गी रार्ण प्रथम नृति य प च मा स्या श्रु
 त प्र प्राणाः वर्गी रार्ण वर्गी वर्गी का प्रथम क च ड त प नृति य गान
 दद प च न म उद रान म परा श्रु य वरदा इन्को अल्प प्राणा अ
 ल्य प्राणा प्रसन्न भर्तुर्जीनु ॥ ३० ॥ वर्गी रार्ण द्वीति य च नृ हो म द्य श्रु मा
 हा प्राणा वर्गी रार्ण वर्गी वर्गी का द्वीति रव दृढ थ फ च नृ हो व्यज्जल
 थ म शानस्त्रे शानस ह इन्को महा प्राणा महा प्राणा प्रसन्न भर्तुर्जीनु
 ॥ ३० ॥ कादयो मा वरा न्नी स्यर्मा कादयो क आदी गारे को मा वरा न्नी मस
 म मा वरा को स्यर्मा स्यर्मा सी शेर चरार्ण भर्तुर्जीनु ॥ ३० ॥ पराणा न
 तस धाः परा परा को अत रथा अत रस च परार्ण भर्तुर्जीनु ॥

॥ अत उस्मात्ताः शत शतके उस्मात्ता उस्म वर्ग भनि ननु ॥
 ॥ अचः स्माः अचः अचके स्मा स्वरवर्ग भनि ननु ॥ ॥ अ
 करव शत करव भिप्राग र्धविसर्ग सदसो भिह्मा मुत्तीयः अक
 रव शति अकरव आह फरव भिप्राग करव देरिव पूर्वनिद रहेका अ
 र्धविसर्ग सदसो आधा विस र्ग जहता विसर्गको भिह्मा मुत्तीय
 भिह्मा मुत्तीय रथान भनि ननु ॥ ॥ ॥ ॥ अपफ शति एफ भिप्राग
 र्धविसर्ग शदस उपदसानेयः अपफ इति अपफ आह पफा
 भिप्राग पर फदेधी पूर्वातिद रहेका अर्धविसर्ग शदस आधा
 विसर्ग जहता विसर्गको उपदसानीय उपदसानीय भनि ननु ॥
 ॥ अर्ध अर्धये व पराधनु स्वार विसर्गोः अर्ध अर्धनि अर्ध आह
 अच परो अचदेधी पर रहेको अनुस्वार विसर्गो अनुस्वार वि
 सर्ग भनि ननु ॥ ॥ असा दीन सवर्गस्य चाप्रने यः असा इ
 दीन सवर्गस्य च अप्रत्यय पंच पद भिद सुचमः आविधी
 पसानो रादी च च सवर्ग सीजा स्यातः आविधीय मानो असा वि
 धर पदवो धक भिनि असा वो धक पद जो दसो इदी च इदी ध
 को पदि सीजा स्याव सीजा होस ॥ ॥ ॥ ॥ अर्धे वाया प्रेसा
 नकारेणाः अर्धे वट्से सुचमा मावे प्रेसा नकारेणा पल्लो

साकारं ग्रहन् गतिरन्यथा ॥ ३॥ कुचुदुतुपु सते उदीतः कु
 चुदुतुपु सते इत्को उदीतः उदीत भवति जीनु ॥ ३॥ न देव
 म् अइत्येवा दसानां सिद्धाः न तस्मात्कारणा न सकारणा
 इदमप्युर्ध्वकोन प्रकारे अवर्ग इवर्ग इत्को अथा दसानां
 सिद्धा अथान्यकारा सिद्धा जीनु ॥ ३॥ नथ कारो कारोः तथा नथ
 सकारो कारो सकलर आकारको अथा दसानां सिद्धा अथा
 रप्रकारो सिद्धा जीनु ॥ ३॥ अकार रथी ज्ञातः अकार अथ
 को रथी भूतः ३० प्रकारा जीनु ॥ ३॥ स्वमन्त्रकारापिः स्व
 वमन्त्रप्रकारतो एकारोपि एवर्गकोपि न रथी भूतः ति
 सप्रकारो जीनु ॥ ३॥ सचो द्वादसानां सः सचः सचको द्वा
 दसानां स २ प्रकारो जीनु ॥ ३॥ अनु नासि काननु नासि क
 भेदे न सचो द्वा दसानां अनु नासि का ननु नासि क भेदे न अ
 ननासि क र्ते अनु न नासि क र्ते जो द्वा सौ पवदा पवदा इत्को
 द्वा द्वा दीदी प्रकारो जीनु ॥ ३॥ तिनाननु नासि का र्ते द्वा
 पार द्वयो सज्ञाः तेनैव स भन्दा र्तेः अनु नासि का र्ते अनु ना
 सि वमन्त्रमननु नासि क र्ते जो द्वा सौ पवदा पवदा इत्को द्वा

रद्वयोरसंज्ञादीधीप्रकारोसंज्ञाजीनु ॥००॥ परः सीनिकर्मः सी
 हिताः परः सीनीकर्मः सीहिताभीषदमिदं सुजमः वरानिमा मीने
 शायनसीने वी सीहिता संज्ञरयानः वरानां वरारिवरारिका
 अतिसहीन सीने वी अत्येन नभीक हनुजोद्येता सीहितासं
 दीस्थान सीहितासंज्ञा होस ॥००॥ हलो नीतराः सीयोगाः हलाः अ
 नंतराः सीयोगाः भीषदमिदं सुजमः असीन्यहीता हला सीयो
 गसंज्ञासूः असी अवृत्ते अव्यवहिता हला नेद्यकिस्को सी
 योगसंज्ञासू सीयोग संज्ञा हन ॥००॥ सुजी-डने पदं सुजी-डने
 नेः पदं दीपदमिदं सुजमः सुवर्तनिडने च पदसंज्ञास्थानः सुव
 र्नी सुर्वत नद्यादि नित्ठने च नित्ठने नद्यादिपरी पदसंज्ञास्थान
 पद संज्ञाहोस ॥००॥ इति संज्ञा प्रकराणाम् ॥ अथा चूं सीधी प्रकार
 णाम् ॥००॥ इको यराची इकः यराः आवि भीषदमिदं सुजमः
 इका काने इका काना नमा यरा स्थान यरा होस अवि अवी
 पर भयाना समहितायी विसन्ध्याम हिताका विसन्ध्यामां ॥००॥
 सासम्भितो नोदिद्ये पुवस्य भसमीनु इति नोदिद्ये पुवस्य
 चतुस पदमिदं सुजमः सप्तमिदं सेन विधी यमानेका

के वर्या नरेया व्यपहितस्य पूर्वस्य वो व्यसः सवतमिनीर्दसेनरा
 वृत्तमेतत्प्रदुका निर्देसदो विधीयमानं कार्यं गतं कार्यं भा
 मा वर्या नरेया आर्कपरातो अद्यवाहितस्य नये किं दको
 पूर्वस्य पूर्वको वो व्यसः जीनु ॥ ॥ ॥ ॥ स्थाने नन तमः स्थाने
 अन्तरतमः द्विपदमिदं सुवम् प्रसङ्गे मीतं सदसतम आदेस
 स्यात् प्रसङ्गे मीतं पादद्वयमा सट्सतमः स्थानीका द्वा
 न्ते स्थानीका अट्टे स्थानीका गुणादो स्थानीका प्रमाने
 ते अन्ये नानुजे जोदसो आदेसस्यान्त्वादि आदेसहो
 त्स ॥ ॥ अनन्ती च अनन्ती च द्विपदमिदं सुवम् अच
 परस्य परो द्वे वाद्ये नन्ती च अच परस्य अच दोषे परद्व
 का परपरको द्वे वाद्ये द्विनिविक्र पदो होत्स नन्ती च अच
 परभट्साना नहोत्स ॥ ॥ इति व्यकारस्य द्वित्वम् इति यो
 सुवदो व्यकारस्य व्यकारको द्वित्वम् द्विनि भयो ॥ ॥ इति यो
 जसि इति यो जसः कसि यीपदमिदं सुवम् इति यो
 का कानमा जसजस आदेस होत्स कसो जस पर भयो ना ॥
 ॥ ॥ व्यसजस व्यसने व्य ॥ ॥ इति पूर्व व्यकारस्य दकारं इति यो
 सुवदो पूर्व व्यकारस्य पूर्व व्यकारको दकार दकार भयो ॥
 ॥ ॥ मीयो गतस्य लोप मीयो गतः तस्य लोप द्विपदमि

भट्टिगाका विमर एदै ए. अवपूर्वपनिपाय परपनिपायव
 वहिरमापनिपाय अववाहिरमापनिपाय. अवपूर्वकाहपाय
 धीको इकार एाई अचपरमानीकन मुको उकार्को छानमा परा
 पायो. उपास्यको उकार एाई अवपरमानीकन. धीको इकार
 वा छानमा परापायो. पाको आकार एाई अवपरमानीकन
 उपास्यको इकार्को छानमा परापायो पूर्व हिंयायपायामा. अवपर
 को पायो मुको उकार एाई अवपरमानीकन धीका इकार्को छानमा
 परापायो. धीका इकार एाई अवपरमानीकन उपास्यको उका
 र्को छानमा परापायो परहिंयायो पायामा. अववाहिरका पायो
 धीका इकार एाई अवपरमानीकन मुका उकायां छानमा परा
 पायो. पाको आकार एाई अवपरमानीकन उपास्यको उकार्को
 छानमा परापायो वावाहिर. हींयायो पायामा अव अववाहिर
 को पायो धीका इकार एाई अवपरमानीकन उपास्यको उकार्को
 छानमा परापायो. उपास्यका उकार एाई अवपरमानीकन. धी
 का इकार्को छानमा परापायो अववाहिर हिंयायो पायामा. अ
 ववाहिरका नहोआहोस् भनने. नैस भस्नाः न भस्वादि
 अनीयसे नीयम कारिणि पादि भाशा. अनीयसे अनेस भस्का

जगामा नीयसकारिणि। नेसुजाने पादे भाद्रा पादि भाद्रा सुवदुः॥ कुद
सुवदुः तसमी नीतिनीदिष्टे पूर्वस्य तसमीन् इती नीदीष्टे पूर्व
स्य चतुस्यद्विष्टे सूत्रम् सवतमीनीदे दोनावि धीयमानं कापि
रामिनेत्याद्यदि तस्य पूर्वस्य वो ध्येम् सवतमीनीदे दोन सवतमे
तपद्वयानादि द्वाते सवतमेन तपद्व कुन् भो इको यरा ची भन्दा
अची यो सवतमेन तपद्व भो नेस्वगानिदे सते वि धीमानं कार्पिग
रा कावे गोद्वसो गाने कार्जकुन् भो यरा गाने कार्पे भो यो जो द्वस्
वराणि नेत्या आर्कावराते अवे वाहितस्य नद्ये कि सवो पूर्वस्य पु
र्वको वो ध्येसजानु भन्दाते आर्कावराते नद्ये कि याको पूर्व कुन्द
धीको इकाद ताद अच पर मानिकन सूत्रो इका को ध्यानमा यरा
गार्क पूर्वमा धीयो धकाते वेवाहित भयो आह पाणि भस्मन् सूका इका
र्काद अच परमानिकन धीको इका को ध्यानमा यरा गार्क पूर्वप
निदे न धकाते पाणि वेवाहित भयो आह पाणि भयेन धीको
इकाताद अच पर मानिकन उपास्य को उका को ध्यानमा यरा गार्क
र्का आर्कावराते वाधे कि येको ता धीयो पूर्वतायेन आह पाणि
भस्मन् उपास्य को उका र्काद अच पर मानिकन धीको इका को ध्या
नमा यरा गार्क आर्कावराते नधे कि सको पाणि द्य पूर्वपाणि द्य अव
सु धीको इका को ध्यानमा यरा मन का यवतल इदं पायो पाया

सा. अवकु. न. ज. न. हो. कु. न. ज. न. यो. हो. सु. भ. न. न. ने. ने. सु. भ. स. न. ने.
न. न. भ. स. प. दि. अ. नी. यो. मे. नी. य. म. का. दि. शा. पि. दि. भा. शा. अ. नी. य.
मे. अ. ने. सु. भ. स. का. ज. गा. मा. वी. य. म. का. दि. शा. पि. ने. सु. ज. न. ने. प. दि. भा. शा. प.
दि. भा. शा. सु. ज. व. कु. न. सु. ज. व. र. था. ने. न. र. त. न. र. था. ने. अ. न. र. त. न.
क्षि. प. दि. मि. दि. सु. ज. म. प. र्म. से. म. ती. श. व. श. त. म. आ. दे. श. स. या. त. प. र्म. से. सु.
सा. ते. पा. ये. व. द. मा. मा. के. पा. स. व. द. मा. मा. सु. धि. को. इ. का. को. र. था.
न. मा. य. रा. भ. ने. का. य. व. र. ल. इ. म. से. पा. य. पा. व. व. श. द. मा. मा. स. व. स. न.
म. र. था. नि. का. र. था. न. दो. र. था. नि. का. अ. धि. दो. र. था. गु. रा. दो. र. था. नि.
का. प्र. मा. न. दो. अ. त्ने. न. गु. ले. जो. व. सो. आ. दे. श. स. या. त. र. ख. हि. अ. मा. व. से.
हो. सु. भ. न. दा. ले. सु. धि. को. इ. का. को. के. धा. न. ता. दु. र. था. न. ता. दु. र. था. न.
सा. दु. ने. य. रा. भ. ने. का. य. व. र. ल. र. न. मा. कु. न. व. द. मा. मा. सु. धि. को. इ. का. र.
दा. इ. मे. ने. र. य. व. स. न. आ. य. सु. ध. म. उ. पा. स. या. भो. भ. य. प. दि. ने. अ. न.
वी. चि. अ. न. ची. चि. क्षि. प. दि. मि. दि. सु. ज. म. अ. च. प. र. स. या. ट. यो. द्वि. वा. यो. त. न. य.
यी. अ. च. प. र. स. या. अ. च. दा. रि. प. र. र. हे. का. अ. च. कु. भो. सु. को. उ. पा. र.
भो. ते. सु. दा. रि. प. र. र. हे. का. प. र. यो. को. प. र. कु. न. भो. सु. धु. को. ध. का.
र. भो. ने. सु. दा. रि. प. र. र. हे. का. दे. वा. व. क्षि. त्त्व. वि. क. ल. प. लो. हो. सु.
न. त्त्व. चि. अ. च. प. र. भ. या. मा. गा. न. हो. सु. भ. न. दा. ले. सु. धु. को. ध. का.
का. र. को. क्षि. त्त्व. भा. सु. ध. ध. य. उ. पा. स. या. भो. भ. स. प. दि. ने.

ऊदाससुजसि ऊदासः नसः ऊसीः यिपदमिदं सुजसः ऊदा
 सः ऊदाका रथा नसा ऊदकुन भा पुर्वधकार मो नसः नसः आदे
 सहोसः जसि ऊसः पर मया माः ऊसः पर कुन कः पदलो धकार
 पदलो पर अस मा भनः नाली सु धको धका र्का रथान मा नसः भ
 नेका नवपाद दूज मे पाय पाया मा कुन नाने हो कुन नाने हो
 पो हो सः भनने नसः भनन न भन पदिः आनि यमे निभम का
 रिणी परि भासा आनि यमे अने सः भन का जस मा नी यम कारि
 णी नसः गाने परि भासा भारि भासा सुजद भन नाली कुन सुजद
 रथाने ननरतम रथाने अननरतम दीपदमिदं सुजसः प्रमसः
 नि सद सतम आदे ससा नः प्रमसः सती पाये ददा मा के प्रमसः
 दामा भु धको धका र्का रथान नसः भन का जवपाद दूज मा इ पा
 यपाये ददा माः सद सतम रथानि कार था वलो रथानि का अठ
 ले रथाने का गु रा हो रथानि का प्रमान हो अने न्त नु हो जो दः सो
 आदे ससा नः स्वादि आदे स हो सः भन नाली सु धको धका र्का
 के रथान दनन रथान दनन रथान मा इ ने सः भने का जवपाद उर
 मा कुन कः दद सु धको धका र्का इ ने ने रद वद नु जायो सु द धु
 उपास्य मो भन पदि नः सियो गाने न सव जायः सियो गाने न स
 दोपक्षि पदमिदं सुजसः सयो गाने यम पद न सव लोप रथानः स

योजान्तं समुद्योगा अन्ये सा हुने सीयो जा कुन भो द धृष्ट शनि य
 भो यत्पदं ज्ञो न पद नम्य ने स पद का पद कुन भो भुद धृष्ट शनि य
 भो दाप स्या त् द्योप ओ द स ह्य स भन ना त द धृष्ट शनि सवे वे गो द्यो
 प पा य पा या मा ओ न्ये न य स अतः अने स्य दी प द मी द रू व म स यी
 नि दि द्यो न ते स्या द स स्या त् स यी नी दि द्यो न ते स्य स यै न प द ले
 नि दि द्य भने को द स द ये को अन्ये स्य अतः अन्ये को अदौ को आ
 द स स्या त् द्योप ओ द स ह्यो स भन ना त द धृष्ट शनि सवे वे गो द्यो प आ
 द स पा यो पा या मा ओ की नो द र्या परं धा वा नि अ की नो द र्या अचू ले
 हि त्र भये को व रा गो द अचू ले हि न भये को व रा कुन भो द धृष्ट
 शनि य भो ध र् धा वा नि प द लो अचू क न धा उ न द धृष्ट शनि धृष्ट को
 य का गो र उ पा स्य का उ का र्क र था न मा व द नु जा यो भुद धृष्ट पा
 स्य भो ध वा ये र पु मा दा यो मुद धृष्ट स्य भो द्वा र्क धृष्ट मो दा यो
 सु द स्य पा स्य ॥ १॥ म धु आ हा द अ रि प र्द शनि र थि ते य धा वी नि
 भो भ र्क सा द को य रा चि द्वा य रा अची ओ प द नि भ र्क सु भ र्क इ क र था
 ने य रा स्या दा चे र्सी हि यो नि र स इ क र था ने इ क का र था न मा इ क
 कुन भो म धु को उ का भो ते र्का र था न मा दा य स्या न स्या आ दि स
 ह स अची अचू पर भया मा अचू पर कुन द अ रि को अ का र्क यो
 पर भट मा स म हि ना यो वि स स सं म हि ना का वि स स धृष्ट द धृष्ट

ननादिमधुकाउकाकिस्थानमापराभनेकापराइजमेपायका
 यामाकुनानेहोकुननानेकुननानेहोपाहोसभनेनेमभर
 ननभरपादिअनीपमेनीयमकारिगपिदिभारगअनिपमेअ
 नेमभरकाजगामानियमकारिगानेमभनेपारेभारमापारिभारमा
 अहभननालेकुनमुअहस्थानेननततमःस्थानअनतरतमःक्षीप
 दीमदेमुअमप्रसिद्धेसतिपायेछदाभाकेपायेछदाभामधुकोउका
 कीस्थानमापराभनेकापराइजमेपायपायेछदाभामधुकोउका
 तमस्थानिकास्थानलेस्थानिकाअथदिस्थानिकागुणातेस्थानि
 पाप्रमानलेअनेननतलेजोखसोआदेसपानस्वदिआदेसहोस
 भननालेमधुकोउकाकोकेस्थानवसुधसुधानवसुधवधवसुध
 नेपराभनेकापराइजमाकुनछहहमधुकोउकाआइमेनेर
 वमधवअरिभोभयेपादिनअनचीचअनचीचक्षीपदीभदिसु
 अमअवपरस्थपराहोपाकोनचचीअवपरस्थअवदेवविपर
 हेकाभचकुनभामकोअकाभनेनेस्वेविपररहेकापरपरको
 परकुनभामधुकोधकाभनेस्वेविपररहेकाहोपाहोक्षीपवि
 कदपलेहोमनचचीअवपरभयामानहोसभननालेमधु
 कोधकाकोदितभामधुधवअरिभोभरपादिनकलाभजम
 नसीजलामजमकलिभीपदीमदेमुअमकलीकलकास्था

तमाजलकुन् भो पूर्व धकार भो. जस जस आदे सुहेल्ल अमि ज
 सी अस्स पर भया माता न हो सुभन ना दो कद कुन् भो पद दो धका
 र भो सो पर भया मा भन ना दो म ध को धका क र स्थान मा जस भन
 का जव पाद द जस म पय पाया मा कु भु जने हो कु नाने हो कु न
 मयाने हो पा हो सुभन ने मू ने मू न भस पा छि अने यमे नी यम
 का रि यारि पारि भा ज्ञा अनि यम. अने म भस का जग मा नी य म का
 रि यारि ने म जने पारि आ सा पारि आ सा सुव दू म भन ना दो कु न सुव दू
 र गाने न तस तम स्थाने अन तस तम धी पदा मि द सुव क द सी स
 ति भा द स तम आदे म स्या ह प र्से ज स नि पा दो दू दा मा के दा र द
 दा मा म धू को धका क र स्थान मा जस भन का जव पाद द इ जस
 मे पा प पा ये दू दा मा. मद स तम स्थानी का द थानि दो र थानि का
 अ थ दि र थानि का गु रा दो र थानि का प्र मा न दो अने न त नु लो जो छ
 सो आदे र स्या न स्व हि आदे र हो सुभन ना दो म ध को धका धा
 के र थान के र थान द न न र थान द न त र थान मा हु ने जस भन का
 जव पाद द इ न मा कु न कद दू म धू को धकार दा इ मे ने र द व र
 गु रा यो मद धू र उ ग रि भो भ स पा दि न. र्से यो जान त स्य लो पः
 स के जान त स्य ला प धी य ध मि द सु भन. र्से यो जान ते य न पद त र थ
 लो प स्या न र्से यो जान ते र्से यो जान ते र्से यो जान ते र्से यो जान कु न भो
 द ध द श ने य भो. प व प द र्जो न प द प द कु न भो द ध द श नि

यमोनस्यनेसपदको. लोपस्यान्तोप आदेसुहोसु भनन्तो दो द
 धृष इति सवेको लो धृषाय पायामा. अलो नृपेय अल. अन्य
 स्य द्वीपदमीर्द सुवम् सखी नीदीखी नयस्या देसस्यान्. सखी नि
 दि धो नृपस्य. सवे नृप पदलो निर्दिष्ट भनेको देसा इयेको सवे न
 नपद कुन् भो द धृष इति यमो अन्यस्य अल अनृपको अदको
 आदे सस्यान्तोप आदे सुहोसु भनन्तो द धृष इति सवेको लो प
 यनायामा. यसा प्रातिसे धो वाच्य. यसा. प्रातिसे धो. वाच्य जीपदीभिर्द
 यानीर्क यसा यसा को यसा कुन् भो द धृष इति यमो सखी सखी च
 दो पुन होस भनन्तो भनन्तो. अकीको वर्गा पर धावनि अकी नो यसा अ
 चंदो हनि भयको वर्गा नो हसो अचंदो हनि भये को वर्गा कुन् भो द
 धृष इति यदपर धावनि पदलो अचकन धाउद अल भनन्तो ह
 द धृष को वकागयेर अरीको अका की स्थानमा वसुनुगयो मद धव
 रि भो भये पादि नृमद धको धकागो येर वमानागयो मद ध्वरी भो
 भये पादि नृमद को दकागयेर असा लाणे मस्वारी भो भये पादि नृ॥
 १॥ धाञि आहा ह. अंसवर्द्ध इति स्थिति येसु गो स्थिती भो भयेसा. इको य
 सा चि इक. यसा. अची जीपद मिर्द सुवम् इव स्थाने यसा यसा द चि र्द हीना
 यी वसये. इक स्थाने इक का स्थानमा इक कुन् भो धाञीको इका भो नि
 र्का स्थानमा यसा यसा आदे सुहोसु अची अच पर भयामा

अच पर कुन छ थावी को इ का भी नमस्कार मर मा. समूहि नायी विस्म
 र समूहि नायी विस्मर समूहि नाका विस्मर मा समूहि नाका वि
 सर छ दे छ थावी को इ का को स्थान मा यरा भने का यव र न इ
 रे पाय पाया मा कुन गाने हो कुन गाने हो यो हो स भनने ने म मर
 नने मन मर पाई अनी यमे नीयम कारि राणि परि भासा. अनी
 यमे अने म मर का जगामा नीयम कारि राणि ने म गाने परि भासा
 परि भासा सुच छ भनना हो कुन सुच छ स्थाने न नर नमः स्थाने अ
 नर भिमं द्विषदा मिद सुच म प्रसंज समि सद स नम आ दे स स्या वि
 प्रसंज समि पाये छ दा मा के पा र छ दा मा थावी को इ का को स्थान
 म यरा भने का यव र न इ रे पाय पा र छ दा मा सा द स नम र थावी
 का र थान न चो र थागे नि का अ थल र था नि का गु रा दो र था नि का प्रं मा
 न्दं अने ना नु ते जो छ सो आ दे स स्या रा ख दि आ द स हो स हो स म
 न ना हो था नु को नु का को के र थान नु सु ध र थान नु मा हु ने य
 रा भने का यव र न इ न मा कु न छ र छ था वु को नु का को ना इ ने ने
 रा इ नु मा यो था न र अ मः अन ची च अन ची च क्षिप द मिद सु
 नम अच पा म्य यो दे वा हो न न ची अ च पर स्य अ च दे
 रिव प. र दे वा. अ च कु न भो था को उ मा वा भो ने स दे रिव प

ररहका यरय को यर पु न भो धा न को नका भो ने का रथान
 मा ह वा सो ह नि व वि क व प लो हा म न त चो अ च पर भ या मा ना
 न हा म भ न ना दो अ च पर ना ह ने र धा न को न का को ह नि भो
 धा न न र अ न भो भ र प य नि न फे रि ह नि पा य पा या मा ल शो
 न श या म भ की दे व प्र व र ने ल शे न शे मा न श भे कु न भो धा को
 आ का भो ने मा न श या म ह नि ह नु नो ह सो स की दे व प्र व र ने
 र को के रा मा ने ह नि ह नो म न न भ न ना ने ह नि भ म न न र र यो
 गा न त य लो पः म यो गा न त य लो पः वि प द मि द मु ज भ म यो
 गा न नं य र प र्द त म लो प भा न म यो गा न त म यो गा अ न ने भा
 र ने य र प र्द जो न प द प द कु न भो त ग र श नि य भो त य ने म द
 को लो प भा न लो प हा म न र श नि र वे को लो प पा य पा या
 मा अ लो न य म अ ल अ न य म द पि प द मि द मु ज भ य की नि
 दि ह्यो न य मा दे म भा न य की नि दि ह्यो न य म ह ने न प द लो नि
 दि ह्य भ ने को दे वा इ र को अ न य म अ ल अ न य का अ ल को अ
 दे म भा न लो प आ दे म हा म भ न ना लो न का को लो प पा य पा या
 मा इ ति य लो प पा प ने र नि यो मु व लो न लो प पा प ने न का को को
 प पा य ह दा मा य गा धा न म लो वा च य गा प्र ति म लो वा च

त्रीषदभिद्वयार्तिर्दे. यथा यथा को प्रीतिसेवो वा च्यतकार्को लोप
 न हो स भननु. भननावेत कार्को लोप भन. अङ्कि नो गार्पा धर्म
 ध्यावति. अङ्कि नो गार्पा अचदे हीन को दार्पा नो द सो धर्म ध्याव
 निपल्लो अचकन धाउद हन भननावे ध्यात त र को र
 फुग प्ग र्मस को अकार्पा ध्या न मा व द्भु ग यो ध्यात त र र्म
 भो फे रि ध्यात त को त कार्पा र्मि स को र कार्पा ध्या न मा व द्भु ग
 यो. ध्यात र्मस भो भन प धि न् ध्यात को त कार्पा र्मि स को त कार्पा
 र्मि व द्भु ग यो ध्या र्मि स भ. ॥ नृ जा हा द् आ न्मो ना प र्द ई ति
 र्धी ते य स नो र्धी ती भो भन मा. इ को य गा चि इ क. य गा. अ
 ची अ पि दी भि द् सु अ म् इ क ध्या न य गा भ्या द चि स म्। इ ना यो
 र धि म् इ क ध्या न इ क का ध्या न मा इ क्कु न् भो नृ को नृ को
 भो ते स द्ध ध्या न मा य गा ध्या न य गा आ दे स हो स भ ची अ व्प र
 म य मा अ च्च पा कु न् द आ न्मो ना को आ कार्म यो पा म य मा
 स म् ही ना यो धि स ये स म् ही ना का धि स न्मा स म् ही ना का धि स
 ये मा स म्। इ ना का धि स न् द् दे दे नृ को नृ को कार्पा ध्या न मा य
 गा भने का य व र्त्त इ न म् स पा य पा य मा अ व द्भु ग न्ने हो कु न्

न जने हो दो हो सु भद्र ने ने सु भद्र न न भद्र पछि अनि यम ने
 यम का रिगि धरि भासा अनि यमे अने सु भद्र का जगामा नी
 यम का रिगि ने म जने धरि भासा धरि भासा सु भद्र कु न सु भद्र
 स्थाने न त त न स्थाने अ न त त न म दि पद मिद सु भद्र प्र भि
 सति सद स त म आदे स भ्या न प्र भि सति पाये छदा मा के पाये
 छदा मा लु को लु का की स्थान मा यगा भने य य व र न इ ज म मे
 पाय पाये छदा मा सह न म स्थानी का स्थाने दो स्थानी का अर्थ
 दो स्थानी का गुणा दो स्थानी का प्रमाने अने न तु जो दो सो
 आदे स भ्या न सा हि आदे सो हो स लु को लु का को के स्थाने द न न
 स्थाने द न त स्थाने न मा ह ने यगा भने का यगा इ न मा कु न छ
 छ लु को लु का लाई भिगे ला व न न ज योग आ कू नी भि ज योगे
 आसा ला योगे ला कू नी ॥ ॥ य चो य वा गा व य च प वा यार
 भी पद मिद सु भद्र य च स्थाने द य अ व आ य आव र न सु भद्र
 य च य च का स्थान मा अ य अ व आ य आव र ने दो छ न सो स्थि
 अर्चि अ च पा म या मा य धा सं र्वि म नु दे स स मा ना म य धा म
 र्वि अ नु दे स स मा ना म र्वि पद मिद सु भद्र स स स म व न र्वि

विधीयथासंख्यं स्यात् समसमन्वयं विधीयतावत्समन्वयं भ
 योकिविधीजोद्धृता यथासंख्यं स्यात्क्रमेण होतुः ॥ ११ ॥ होतुः आस
 ह्यपयच्छति स्थिते यस्मिन्नोपि विधिभ्यो भस्मभा यच्चो यथा यावद्य
 च्छेपे वा यावन्नीपदमिदं पुनश्च यच्चस्थाने दद्यत्तु अत्र आद्युत्थाप
 यते स्फुरन्ति यच्चस्थाने यच्चकाशान्मायवृक्षं भो हरे को स
 ह्यारभ्यते स काशस्थानमा अद्य अत्र आद्युत्थापयते इजोद्धृतं भा
 स्मभ्युत्थं अत्रापि भयामा अद्यपि कुनृकं सको सकारश्च मन
 नादो हरे को स काशस्थानमा अद्य अत्र अत्र आद्युत्थापयते
 यथा या मा कुनृगाने होतु नृगाने होतु होतु भस्मने ने भस्म भस्म
 न न भस्म पटि अभिने यस्मिन्नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यस्मिन्ने भस्म काशस्थानमा नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यस्मिन्ने भस्म काशस्थानमा नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यथा सर्वस्य अत्र देसः समाना मत्रोपि दमिदं पुनश्च समसमन्व
 यं विधीयथासंख्यं स्यात् समसमन्वयं विधीयतावत्समन्वयं भ
 योकिविधीजोद्धृता यथासंख्यं स्यात्क्रमेण होतुः ॥ ११ ॥ होतुः आस
 ह्यपयच्छति स्थिते यस्मिन्नोपि विधिभ्यो भस्मभा यच्चो यथा यावद्य
 च्छेपे वा यावन्नीपदमिदं पुनश्च यच्चस्थाने दद्यत्तु अत्र आद्युत्थाप
 यते स्फुरन्ति यच्चस्थाने यच्चकाशान्मायवृक्षं भो हरे को स
 ह्यारभ्यते स काशस्थानमा अद्य अत्र आद्युत्थापयते इजोद्धृतं भा
 स्मभ्युत्थं अत्रापि भयामा अद्यपि कुनृकं सको सकारश्च मन
 नादो हरे को स काशस्थानमा अद्य अत्र अत्र आद्युत्थापयते
 यथा या मा कुनृगाने होतु नृगाने होतु होतु भस्मने ने भस्म भस्म
 न न भस्म पटि अभिने यस्मिन्नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यस्मिन्ने भस्म काशस्थानमा नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यस्मिन्ने भस्म काशस्थानमा नीयमकारिणा निमृगाने वरि भासा
 यथा सर्वस्य अत्र देसः समाना मत्रोपि दमिदं पुनश्च समसमन्व
 यं विधीयथासंख्यं स्यात् समसमन्वयं विधीयतावत्समन्वयं भ
 योकिविधीजोद्धृता यथासंख्यं स्यात्क्रमेण होतुः ॥ ११ ॥ होतुः आस
 ह्यपयच्छति स्थिते यस्मिन्नोपि विधिभ्यो भस्मभा यच्चो यथा यावद्य
 च्छेपे वा यावन्नीपदमिदं पुनश्च यच्चस्थाने दद्यत्तु अत्र आद्युत्थाप
 यते स्फुरन्ति यच्चस्थाने यच्चकाशान्मायवृक्षं भो हरे को स
 ह्यारभ्यते स काशस्थानमा अद्य अत्र आद्युत्थापयते इजोद्धृतं भा
 स्मभ्युत्थं अत्रापि भयामा अद्यपि कुनृकं सको सकारश्च मन
 नादो हरे को स काशस्थानमा अद्य अत्र अत्र आद्युत्थापयते

स ओं ऐं यं ओं ओं देसूमा ऽकृन् सो अय अय आय आय
 जेह सोय था सरय था त्रक मे दो हो स भन्ना दो पेना का रथाने
 मा पेना दो सरा का रथाने मा दो सग ते सग का रथाने मा ते सग
 सुउ सरा का रथाने मा सुउ सग भन्ना दो रथाने मा हरे को
 रकार कानि तुह प लो य आ दे स मा पे लो अया द हरे को र
 कार लाने ते र अया दे स लो हरे अय से यग स र को य का की
 रथाने मा यद नु जायो हरे भये भो भग पादि राज स र अमा वर भु
 गा यो हरे यो ॥ ॥ ॥ विद भो आ हा क र प र्द ना ते रथाने य स लो हरे
 नि भो भग मा य चो य वा या व य च से वा या व ये प द मि र्द सु व
 स य च रथाने द भु अ आ य आ व स न सु र चो र च रथाने स च
 का रथाने मा य च कु न मा य च कु न भो वि स र मा को ओ क म मे अय
 अय आ य आ व स ने र गो भ न सो स ह न अचि अच पर भया मा
 अच पर कु न ह स को स कार भो भ न ना चो विष गो ओ का र्क
 रथाने मा अय अय आ य आ व र न ल न पा य पा या मा कु न ना ने
 हो कु न ना ने हो यो हो स भ न ने ने स भ स न ने न भ भ स
 दि अ न य मे ने य न का रि गा वि पि भा सा अ न य मे अ ने मे

भस्वजगामा नयिमकारिणी नेसुगनेपरिभासापरिभासा
 सुवदकुन सुवदयथासंख्यमुदेस. समानाम्. यथासंख्य
 अनुदेस. समानाम्. यथासंख्यमुदेस. समससुवन्. यथासंख्य
 यथासंख्यसमससुवन्. यथासंख्यमुदेस. समससुवन्. यथासंख्य
 किद्विजोक्तसोवयापरसमन्तभस्वकीद्विधिकुन्. भोस्व
 निमाधन्वि. आदेसमाधन्वि. स्थानिमा. कुन्. भोस्व. ओस्व
 भोस्व. अदेसमा. कुन्. भोस्व. अस्व. आस्व. य. भोस्व. ओस्व
 सोय. यथासंख्यसमा. कुन्. भोस्व. अस्व. आस्व. य. भोस्व. ओस्व
 येना. दोस्व. राका. भस्व. निमा. दोस्व. रा. तस्व. राका. स्थानिमा. ते. भोस्व.
 च. उ. भस्व. राका. भस्व. निमा. च. उ. भस्व. रा. तस्व. राका. स्थानिमा. ते. भोस्व.
 को. ओ. का. को. नि. उ. द. दो. सा. रा. क. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.
 इ. वि. धा. को. ओ. का. रा. द. भोस्व. अ. द. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.
 रा. भो. भस्व. राका. भस्व. निमा. दो. सा. रा. क. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.
 य. भो. भस्व. राका. भस्व. निमा. दो. सा. रा. क. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.
 ते. य. रा. को. ओ. का. रा. द. भोस्व. अ. द. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.
 या. व. यी. प. द. मि. द. सु. व. रा. य. व. रा. य. ने. द. य. अ. द. आ. दे. स. मा. दो. स. रा. को. कु. द. अ. द.

एते स्म च यि यत्र ध्याने यच्च का स्थानमा ध्यात्तु न भो नो को
 ओकार भो नैव का स्थानमा अय अय आय आय एते एते ओ ए
 न सो म्यु ह न अचि अच पर भवा मा अच पर कु न एक एक को
 अकार नो पर भवा मा भ न ना नो नो को ओ कार ध्यानमा अय
 अय आय आय इ ज म स पा य पा ध्या मा कु न नो हो कु न न नो हो यो
 हो म भ न नो नैव भ न न भ न प द्यि अनि यमे नी यम कारि गानि
 परि आसा अनि यमे अनैव भये का न ग मा नो यम वगारि गानि नैव ज
 ने परि आसा परि आसा सु व द कु न सु व द य धा र्म र द्ये म नु दै म
 स मा ना म य धा र्म र द्ये अ नु द म स मा ना म र्थी प द मि दै सु व म स
 म स म व न् धी र्थे धी र्थ धा र्म र द्यि मा र म म म व न् धी र्थे धी
 र व मा व र म म न न भ न कि र्थि धी जो ह सो य धा र्म र द्यि मा र द्य
 म दे हो म भ न ना नो पे ना का ध्या नी मा पे ना हो म का र्था
 नि मा दो मा रा भ न ना र्थ ध्या नी मा नो को ओ कार क नी तु
 ते म र द्य आ र्थे म मा नै म न अ द्यो दे म द नो को ओ कार

मन्वन्धीविंध्यीयथासर्वमप्यतस्मत्समन्वन्धीविध्यिव
 यापर समन्वन्भस्त्किंविध्यीनोक्तसोवरापर समन्वन्भस्
 किंविध्यीनोक्तसोवरापर समन्वन्भस्त्किंविध्यीनोक्तसो
 र्थाविनापनि ४ आदिस्मापनि ४ रथान्नीमा ४ कुन्भोस्
 ओस्ते ओय सो आदिस्मा ४ कुन्भो अय भैव आय आयु भो
 इतोक्तसोयथासर्वमप्यतस्मत्समन्वन्नादेपेयाका
 र्थानिमापेयादोस्माकार्थानिमादोस्मानेस्माकार्थानिमाने
 सा चतु र्थाकार्थानिमा चतु र्था भन्नादे र्थानिमापेया ओ
 यारकानिउक्त चतु र्थाद आदिस्मा चतु र्था कुन्भ आदि
 स भो य आयु अक भो यारस्त् आमा ज्यो पाव अक भो यारस्
 अमावरनुजायोपावक ॥ ३ ॥ वान्तोयि प्रनेस्त्वान् ३ प्रनेस्
 यिपद सिद्धं सुवस्यका रादो प्रनेपरे ओदो नो रव आयु स्
 नोय्यका रादो प्रनेपरे यका रादि माहुने प्रने पर भया मा

[illegible]

[illegible]

1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973, 1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 19

[illegible][illegible]

१७ की प्रतीति उनके लिये आया। जो ^{मोक्ष}
आपका धर्म है मोक्ष की प्रतीति है। इसी कारण ही मैंने इसे

उप धर्मलो अस्मिन् ध्यायाने

धर्मो ज्ञेयस्तथा

अथ तावको ज्ञेयस्तथा

कान्तो मीरुषेयस्तथा

कान्तो मीरुषेयस्तथा

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना

मार्गो ध्याना



वसन्तः स्यात् वसन्तः स्यात्
वसन्तः स्यात् वसन्तः स्यात्
वसन्तः स्यात् वसन्तः स्यात्

五十五

이석의서지

五十五

३०५
१९२१

27-10-19

व नार को ना ज नी व नाने न मा ज

हो ज आ जो ना दा

आ जो सु पु

अ। ज नी व दा म

नर ना ना ना व

क र धा जो

धी म

अने ए ज नी दी

व नी दे वा

सी र को को रा

न र व को मा कु रा

सा जो धि ली ची चा - हो व

वताइको ताता वनाउने भान

सीजे भानो माछा

भानुको भुनु

काजीववदाम

पला मसक

फुथियो

धामो

भउं राकोजीदी

बंदोदय

सीइकोकिरा

पुखेकोमाफुरा

मायेविक्तीचीपास्त्री

परेया को मीदी

वस जो व

उरुकोसमे

वलात्तारो

गो गो गो

गो

जिसरि

गो गो गो

गो गो गो

गो गो गो

गो गो गो

१८५३

1716

$\frac{1}{\sqrt{1-\beta^2}}$

1714

1/2 of 1/2

63.17

1871

6-1416-1011

卷之四

五

12.11.1951

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

४४

सप्तमि नमो भगवते

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

अनुसूचित

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत
 सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुन
 सख्यं कुरुक्षेत्रे ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥

संज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च त्रयसंज्ञायां च

بسم الله الرحمن الرحيم

الحمد لله رب العالمين

والصلاة والسلام على من لا نبي بعده

وبعد

فإن الله قد جعل

في القرآن الكريم

آيات كثيرة تدل على

أن الله تعالى هو

الذي خلقنا من غير أن

نسأل الله تعالى

عن شيء من ذلك

فإن الله تعالى هو

الذي خلقنا من غير

أن نسأل الله تعالى

عن شيء من ذلك

فإن الله تعالى هو

शुनि का ओस् धी का भाग

सु० क्वा भो नो रि को सा ॥ ७ ॥ अस्मिन् क न अस्मिन् का पार्ति नो अ
इ मा ह्यो पि दि न्ने शार सार्ने का वा व द्धि स कोर गद्वर का वा
वर्द्धि पा का अभासी भेरा नि पारि आदि २ सार्थ आदरे साध
रो दि न्नु द्गतो नो धि का हे द

रनुनी का अभासी का भाग

धार गधने धा सर पा सी चा धा स क चो धा स ॥ सु क व न ३
यो क्क मि सा ई धु ना पो रि गि न्नु ॥ प का ई अभासी ध स ॥
अस्मिन् क उठ का अस्मिन् क न न्नु स म प क ॥ ३ ॥
गभि वान उठ को इ इ द भ न आ ई ॥ धि उ मा प का इ न्नु स र्द
धा न उठ को भे य नो रि का ते सा पा नि न्नु का ते न्नु सा प का इ न्नु
रनुनी नि को दि य

आवा ना पा ना का ओस् धी

अपा धा य भ न न धा स ओ ना भे य न्नु न्नु ओ न्नु रा धे वा न हे
ओ ना पा य न भ न सु क का स धा स न्नु न्नु नो रि को न न्नु
सा प का ई रो दि न्नु अभासी पा ना का नो रि को दि न्नु

بسم الله الرحمن الرحيم

11214714.16

Aug 11 1888

25. 10. 11. 13. 14. 15.

2797

1012. 1013. 1014.

21 47 11 4 11 6 3 2

110/121

21/3/10

3116.141

अथवा

Q113

18 مئی 1941ء

513.13

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गणपति

श्रीगणेशाय नमः १
वदामि ते नमः २
पद्मं नमः ३
दीप्यते दधौ नमः ४
मन्त्रोदाह नमः ५
मन्त्रोदाह नमः ६
मन्त्रोदाह नमः ७
मन्त्रोदाह नमः ८
मन्त्रोदाह नमः ९
मन्त्रोदाह नमः १०
मन्त्रोदाह नमः ११
मन्त्रोदाह नमः १२
मन्त्रोदाह नमः १३
मन्त्रोदाह नमः १४
मन्त्रोदाह नमः १५
मन्त्रोदाह नमः १६
मन्त्रोदाह नमः १७
मन्त्रोदाह नमः १८
मन्त्रोदाह नमः १९
मन्त्रोदाह नमः २०

गणपति

गणपति

गणपति नमः १
वदामि ते नमः २
पद्मं नमः ३
दीप्यते दधौ नमः ४
मन्त्रोदाह नमः ५
मन्त्रोदाह नमः ६
मन्त्रोदाह नमः ७
मन्त्रोदाह नमः ८
मन्त्रोदाह नमः ९
मन्त्रोदाह नमः १०
मन्त्रोदाह नमः ११
मन्त्रोदाह नमः १२
मन्त्रोदाह नमः १३
मन्त्रोदाह नमः १४
मन्त्रोदाह नमः १५
मन्त्रोदाह नमः १६
मन्त्रोदाह नमः १७
मन्त्रोदाह नमः १८
मन्त्रोदाह नमः १९
मन्त्रोदाह नमः २०

गणपति नमः २१
गणपति नमः २२
गणपति नमः २३
गणपति नमः २४
गणपति नमः २५
गणपति नमः २६
गणपति नमः २७
गणपति नमः २८
गणपति नमः २९
गणपति नमः ३०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

आयानर वाको नर

१

माद्यकायुनाको नर

१

माद्यकायुनाको नर ॥ १ ॥
माद्यकायुनाको नर ॥ १ ॥

माद्यकायुनाको नर

आयानर वाको नर ॥ १ ॥

आयानर वाको नर ॥ १ ॥

कायुनाको नर ॥ १ ॥

आयानर वाको नर ॥ १ ॥

आयानर वाको नर ॥ १ ॥

माद्यकायुनाको नर ॥ १ ॥

आतशा १ को आस्थि

अनार
कागमि

१
१

अना १ कालागी २ दोक वं १ वरमिमादु १ पना
दु क थारे १ सदि वि न उठे को अय काना यो मि
ओरिगि आउद जमि वान छे दं ल अय मा ठे रि
ये का दु द डा क मा मे आ उ गु ने का हि दु
वेरा वाने का आ स्थि

काना हे त १ को बुदी
हेतदाको बुदी

१
१

भीमभी १ पानी को अतर १ मे सीका ३ शेन
दहि सी जमे मे सा आ उ न आनु ना ला व
क इहि ना ल २ यनी आ ३ दीनु नी कि हि दु

4)

卷之四

10

18

10

...

2

18

—

1

10

10

10

प्रादिकानुवाक असमवाधि

इंद्रजोमासा १
मनाईमासा १
सोदिनुवरीति १
दीदमासा १
मिमोमासा १
केशमिमासा १
निरवमिमासा १
वीरनावनमासा १
गुरुकोशमासा १
अनारकोशासमासवजवेरे
कुनाकेराउजतिआदिमासा
पानिआदिमासादिनुअति
राखनेरसाकअथापराका
गुरुधाविमासागुहाफा
दीमागावेसाइअलाइरा
नाआइदीनुतीनेपरा
मिअकोदिआइरा

नाजतआइरावेकोपंजजेवचहुँहबेरकाको

हालकारराआसाठवासीरबेरकापागोषा

उरजेवबेरकादिहजेमुवागउपदयमपेव

दीतवकावहनाउडहनाडाउनेपरीतअधीमाउकप
अधीपडाहरी

ALFRED ST. JOHN

卷之三

172146134

213

संज्ञा-सूत्र

श्रीगणेशाय नमः

कादा एतुमाभा

ब्रह्मसूत्रसंग्रहः

१६५॥१॥

यति वा लमिवाइ अद्यगतिनाः ॥ ३ ॥

श्रीशिवशक्तिप्रकाशिका ॥ ५५ ॥

महाराष्ट्र-राज्य-संघ-संस्थापक-समिति-सदस्य-सूची

पञ्चमः अध्यायः

दीन दीनकोटी पत्र द. १०॥ ५॥ ६॥ दाना

[illegible]

ता. भा. २. वारिपटी. ३. ४. ५. ६. ७. ८. ९. १०. ११. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

卷之九

卷之四

व न हि ता हि स की भे न ता रा य भ ने जो गुरु का ने भे २११
ए वा पा गे य का हि ये १५ शी ७ नो को हूँ ६

श्रीगुरुभक्त्युत्तम

श्रीगुरुभक्त्युत्तम १६

श्रीगुरुभक्त्युत्तम १७

श्रीगुरुभक्त्युत्तम १८

श्रीगुरुभक्त्युत्तम १९

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २०

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २१

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २२

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २३

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २४

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २५

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २६

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २७

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २८

श्रीगुरुभक्त्युत्तम २९

श्रीगुरुभक्त्युत्तम ३०

श्रीगुरुभक्त्युत्तम ३१

श्रीगुरुभक्त्युत्तम ३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कस्तुरि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

[illegible]

अथ वनादिलाइ दाना उर्न जुल्लायु औस धाक हूअ थपहनि
 अउन अलाफ

मिस्ती भाय - चाकु भाय - वसनकादल भाय - १ धीनिसभर
 सनगर येक नगरी धुला केस उजंगो निषानुर कुद भय
 गो न केभा जानगा भंग वजोनी अा ३ दीनु सभवाउ नाभा भ
 २५॥ ३० दानाभा थ वनाला जात पानि भामका उचुर सोमरी केर
 रेने न्यापोक फा पानि पहेला ~~हू~~ हू दपाका दायान सन्यायर. अ
 १ धोना उवाउना भा थ सोमा थ पानि वनाई के जादु भा रहने गार
 उवाइ दानु सोस्यो थ कम २०३ मिने न पहेत साफ सोन हू न के रि
 हू न द्याम नासा थु फेरि सो भा थ पानि गार भा रहने गार उवाइ
 दानु सो थ पाने नो फेरि हू न ३० अखी छे दो पहेली वान भेने हू द
 जेभा जव हे हू पाइ दाना न जुनी १० सफा भया सो व द्यामा न ग दाना
 इमुदमा पाने ना लेनु हावासा गिने न रा थनु कलु न सो हावा द्याम
 मा ~~ह~~ न दाना थान न ले थिया न ग थ ३० द्यानी म दानु २॥ ३०
 न द्या ३० थ थ कम ल दाना ३० दानु नु ल दाने न ल दाना ३० के दान वीज
 ३० भा न थानि ग दाना ३० ३० दाना थाने न ले थिया न ग जेना

भूदस्थाने दानुःशोभा नि क्राद्वं भोजनोदः शोभप्रथममुत्तम
समाप्तम

अथ धुत्ता जुत्ता क

मनकादादभागा १ पुष्टानुभावे वाक् भाग १ राजानुजि
भागा १ कान्तोभिमयी भाग १ कासमिहिकेसाद भाग १
भर्त्सिवोद्व भाग १ रसवेद्राद्व भाग १ विजोति भाग
१ रसवंधनगाद्येक भगनुद धुत्ता केसा उक्ता दाना जओजो
तिपानु कुंष्टिवना १ रजोत्ता कोसामा जनु नयाना १ रजोति
कोसामा क्वा ३ पुष्टाना दाना १ शोभोति क्वा ३ पुष्टाना साधु मेधि
यानेमा धाजो केनामा धे धी च वभा जग कानामनेपानि कोपान
जो १ भारद्ने जरे क्वा १ र्द्विनु भर्त्सिव भा १ पुष्टाना १ र्द्विनु शोभामानरा
अनुदा नाना केसा जग दीनु १ र्द्वेन दानापानिने भुवनामा २ १
दाना दीये धाने धी धी १ पुष्टाना १ कर्मा १ र्द्विजका धी धा जग १ र्द्वि
वनेनाथ मभा निधना १ पुष्टाना १ कर्मा १ र्द्विजका धी धा जग १ र्द्वि
भुत्ता क सका भया नाहा जगान दानिध को के १ पुष्टाना १ पुष्टाना

नाञ्ज ३०। ३५ दाना मा त्रेभा इ ७। ८ वंजेनायमा धा नरे नि सोषा
 धर्कं दाना १ धा ^{भित्त} देना पायहे ह सोपाय भैर पद्धि पुरा आहार के आ
 धि दाना मा त्रेभा नरे दाना नरे दाना भुने न कायुगे धीनु दाना नरे
 दये पद्धि धा नु न मा शा ली हा धा १८ अशिरा धा धीनु नमस्ते न के का
 नरे ~~का~~ पु कथा ॥ ॥ भो दिध धा नरे धी भै धा नरे १३ मे १३ धा नरे १३ धा
 नये म १३ धा नरे १३ धा नरे १३ धा नरे १३ धा नरे १३ धा नरे १३ धा
 आहा धीनु आहा नरे दाना के दधि नदिनु निने नरे धा नरे आ धा धा
 नु मा नरे धीनु जहे १ नो नरे १ आ धा नरे नरे नरे आ द भो दि के आ
 धा गा दू मा नरे हो स २० दाना मा धीन कर के नरे हो स आ हा रा द
 ना धा उ नये धा नरे विना मो विश नये धा का दाना गा द मा १ के नरे धा नरे
 स मो र के का द भे न नये धा नरे धा यो मने वी जी जी हर दाना धीना
 वहे नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे
 धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे धा नरे
 धीनु यस्का विधेय मा का गा निव दाने धीनरे

अवामुद के का कर्त्तव्य

मुखे दाना नानरे के न १ मुखे धी आ हा रा धा नि धी नुर के १
 जमा शानि धा मा रा धा नु १ धा धी धी पाय धा न नये धा धा नि धी
 मुद गा र्दि न उ स के आ रा धी नि नये धा न नये धा न क सु १ धी

रासनुदीउमोर्कादानादीनेमथिमधुं कपक्षीमाठीनेमिर्गिनि
 तथेभकादानां दनुंभादानादींयवदंममुद्रजीयपाननानिने
 पानहेइतरनातिथंअथे १ चंदीभाव रासनुनासपक्षीमाज
 केदानादीनेतथिममामुर्वेत्तीनुवेमुहेइमामुर्कादानादी
 र्मकपक्षी ४। ५मिने १ क्वापुत्रमारायार्कहिरार्कमिथीपानि
 तमाइमोतातमठीपानिर्निरोधपभारजाङ्गमायेरि २ मुसादि
 मोषानिनममुकेरमामुर्वेभा। रासनुमुं कपक्षीसापानिचयूहेइ
 थुर्विदेगियनिहेइमोतिनका ३ नुपनमियायानिनीवाइ
 अन्यायेपार ७। ८ बाजिराष्टिमिनकूदीनुनलदीउनु
 रैमुर्वेनिनेपानिहेइ सर्वरमांकिरिभुंरमादिथीयेव
 मोजिभुजानुरोनिरासकाशवावहनेवदगिरिरसमनुपहे
 अवनाइ

भीनुकापनभाग १५ मदीमेवीहे - ६ वाद्युकोआआमा
 मा - ६ चन्द्रादयमासा - २ मोगाकोगीदी - २ कोशवीकि
 माइभाग - १ फुरायको लसुनवीजुना - २ क्वागिजवद
 म - २ हीरुचावन्नममानुमानिनेमकोकानिजुजो ॥ वैसदोचन
 भाग १ फुरेका ल्वा ३ फुल २ रोमीसीतिभाग १ यातस
 का १५ थक २ सन्नगरि समभासा नुसानुकेराउकादाप्रमा

नृजो दीवा धनु अरुवा धोरु धुनाजोदी वातु नुर सुकादरे
धनु लदाडने ३ र्द आड्ठां घजादसा आसादना सादिसाफ
अथ को वधधारा रसा ओधास वजोनि ह्वाडनु सो ध्वमि कमसा
३०।५० दाना काधुनार २। श्रीमनेन पदो २०। २५ जोगीसी इको
कोरा वासा भुकोवा २। ४ जोगाकनि लोकी धाका ज्ञानदीनु
रसा धाये को दाना कोरा हर सपरासा फ पायु भोगा कमा के दान
मे प च पदो लादाइ दीनु
अरु भजा वनाद लाइ दीने नाइ

धनीमार्ग धीदीया को पना जुलाफ दीहा नमु सफीद भन दी
ओजो गीन को जुलाफ पाने दी नुर जुलाफ को भर्गो पुके पदो पा
येरसा बोकर साधा दनु पाये सासा वनि वन नर को नातो दि २
जाने सा धांर काधुनार साधी लखाये का कंला हर भिजाइ रा
धनु रंदा उने २। ३ मिनेन अर्धा सो भर्ज का कमु नो २ ५२
। ५५ दाना रसा वरा ४। ५ जोगा निसे सो पायेन स्वेपन कि ही सो
ना हेर र्धो धांर गि र्ध्वा डनु रमा साधी न था मा का लम डी मिने
त २। ३ मि असा ल दाइ हा ल म ४। ५ मिनेन भेध पदो स्नान
उर्य ७ लदु देन फिरो पयानि न अथाडनु वर ५५ मिनेन धीवी
दि ३ भने २। ३ कोरा दाना वदाइ दीनु

को दानाजयोगिनिपार्तु सानेदिनु
वमात्रेणाइ भरव्वाहुनेकमाइदेना

रानिकाबुब भास्यनवेवासासंद १०।२०।३०।४० निसोर्गदे वदा
हुदि १५०समब्धा ३००क्षिपवहेद
अवोवने वराहरु लाइ अनुमाने लाइ रवाहुने मस्मिचराहुने
मसदा

कागमिवदामदाना - ८ - विउमाभुननुर सावदासुशेकनु सोधे
उकामलाय देन मानिसुलाइ सोच हेद धिरवोजास - १२ पैसा
वेला - १ होमिमानेसा - १ वंसनेलाववुपसा - १ ससापाकाका मुजो
ला विउसा भुगकोनेला - १ कुभुराका फुरापाजि पहेलो धिउसा
भुगका - १ कासपोरकरि नोला - १ धिउसा भुगको लवाड
४ मरिजा - २ रवीपुथकसुथक वरागि मरुभाथक म गारिनेलाइ
अउचिरियाको उगर वयका विचार गारे मज दाना हुनवल
उवहेद

नमा विवनाइको

बेदादेयदेसमा १०

१०।२०।३०।४०।५०।६०।७०।८०।९०।१००।

१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।

१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।

१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।

१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।१००।

धानुषोस्त्रको ओंमिधिवै भगवता उनेकाइदा

ववरकागुदपाउ १

सेनोमुमारे १

काउसाकागएषाअराइगदा

याकेपाउ १

मुसरि काउसा ओषिवान पाननोमयाकोरु कुहवा १ मा
पकाउनुपकाउदा पकाउदा हुदमुकीकाउसा उसा उसा उसा मुस
रिनदेनेजारे वकाई सोकाउसा एषयारे ओर्का धाम्मासुकाउ
नु मुकीसकेपद्धा काउसा मुमारे वसामूद मसीनुगारिपिने
धउपाउ २। ३ सा नदनेजारे मुतनु भुतसकपद्धा कुहपुदि
पाउसापकाउनु मिसारे सर १ मसा नुगारे पिनि नदनेजारे प
काउनु पाकेसकपद्धा ओकनुद योताथानसा २ उगानकेमसा
नवाकुंसागारे पिअपाइराभन ओनाजे २ तोनाह नजारे मुकु
रागारे कानिराअनु व्यासन वतुकुरो वनुका १ तुकुरा अनु यमसासकि
वह नपाए नेजपनि २ ईक

कसंति

श्रीश्री

वस्तु

वापि

वापि

आमा

आमा

आमा

आमा

आमा

आमा

आमा

आमा

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

374 2115.5.5 21155

61129 61127 27127

5747

श्रीगुरुभ्यो नमः

۱۰۵

51 77 211 75 5 218 37 7 471 3

3117 1891 1892 1893 1894 1895 1896 1897 1898 1899 1900 1901 1902 1903 1904 1905 1906 1907 1908 1909 1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

天作之合

5

ਸਾਹਿਬਾਨੀ ਸਾਹਿਬਾਨੀ
ਪ੍ਰੀਤ ਅਤੇ ਪ੍ਰੀਤ

[illegible]

सिद्धिनिवाह

卷之三

卷之五

18

卷之四

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

129

अथर्ववेद

212

五

德

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

महाराजस्य आज्ञांशुः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

۱۹۵۸-۱۹۵۷

江表傳

100

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



History of the

सुविधा १।

三

精忠堂

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

27015117

महाराष्ट्र राज्य सरकार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

印
 卷之四
 目錄
 一
 二
 三
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

卷之四

三
一
二
三
四
五
六
七
八
九
十

卷之四

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之五

卷一百一十五



卷一

37

177

20

सो न वा पाद सो न वा विनीना सो न वा पद सो न वा

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之六

अहंरवावको अतिरुधि

आकिन्नुवनिआपादी

वरादिनपारुकोनादा १

मयेनेनादा १कोदा

रविदको १वीद

सावुनसेडे

कपुरसेदायक १

समसापयसि असम रकर्षा राबि धानि भगवापवा ५

इलाउनु अह रवान नीको हेर

~~संस्कृत~~

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

संस्कृतं नाम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो

ਹੈ ਸਾਭਿ ਕਾ ਤੇ ਮਾਭਿ ਕਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ ਮਾਤਾ

श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते

अथास्तु नमो भगवते ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते

ॐ नमो भगवते ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ७ ॥

३४. ५/३० ११/५ ६० ११/५

[illegible][illegible]

अष्टाध्यायी

卷之三

卷之四

卷之四

卷之六

三

三

卷三

卷之三

विष्णुसहस्रनाम

卷之三

卷之四

卷之四

卷之四

卷之四

卷之四

卷之四

卷之五

卷之四

三

卷之四

卷之六

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

卷之九

三才圖會

卷之四

卷之四

卷之三

卷之四

卷之四

卷之四

कालिदासः

卷之三

卷之四

मा विष्णोर्वाचो भोजा को भोजाश्वाचो भोजाश्वाचो
 अतिवाचो भोजा को भोजाश्वाचो भोजाश्वाचो
 अतिवाचो भोजा को भोजाश्वाचो भोजाश्वाचो
 अतिवाचो भोजा को भोजाश्वाचो भोजाश्वाचो
 अतिवाचो भोजा को भोजाश्वाचो भोजाश्वाचो

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠ ١٠٠٠

अथ वनाड को अक्षरागानो वल्लभ कुर्यात् नमः ॥ भगो
 भवतां हृदयं गच्छ ॥ वनाडो भगो भगवतो नमो वनाडो

श्रीगोदावरी

नमो भगवते

श्रीगोदावरी गाना

गोदावरी गाना गाना

गोदावरी गाना गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना

गोदावरी गाना गाना

गोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी

गोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी

गोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी

गोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी

गोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी गाना गाना श्रीगोदावरी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

पुस्तक संख्या

卷之四

卷之四

三

श्रीगणेशाय नमः

三才圖會

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सिद्धिदायक शिवस्तोत्रम्

三才圖會

卷之三

सर्वज्ञानसिद्धिस्तु

मि १ अजलव

卷之四

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

卷之五

कीर्ति वागीशु त्रिपाठात्मा जगद्वाजीशु साधु के मध्य वागीशु परमेश्वर साक्षात्मानसंभक्त

विदित् कनुकी वुरो ७ दीन दीष्ट दुरसंग रघा नोव विषसु
 क्रको समुद्र सदाहृदं

मारकोदृतादि उमाभुवनुदमास काउनु रात्रोवाभिधी
 हाविरवानु संर श्रो संग भोगर्निमकेन हृद

उपधवा

जावरा

गावरावावा

कुरिजा जरा

काउसाधिका

नागवरा

अभिवरा

इन्का चुराव नाद रातमा धरसंग रात्रे अरका सरोभास
 निवह उरसे रात्रे रात्रे करण रात्रे रात्रे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
इति श्रीमद्भगवद्गीता
सर्वप्रथमोऽध्यायः समाप्तः
स्वास्त्यर्थं

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten notes, possibly "Kleffner"]

इति श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः । श्रीगणेशाय नमः ।

सदस्वामिंश्चैव विदुः स्यान्निदो विकततन्त्रानामतमसूकाऽग
दोऽपि गीतमस्य मे जाऽरागं विभजे स्याथा क, अ, मिदुःखं र
गिदो नानि नित्यलक्षणासि न केनादुमलक्षु नि नो जा के
मुद्रितामस्यैः ध्वनो अहिमेलकरो भिरा यो विभाज्यते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुक्ताः सविवर्धनाः ॥ २ ॥
 अच्युतः पाण्डुपुत्रोत्तमायुधं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः संयुक्ताः सविवर्धनाः ॥ ३ ॥

मः देवराज आगतः रामः अइयं क इति च देवराज आदि १७४४
 उ० राग दिगेशः ॥ अति अजितादिगारिका मीरा

नकादी... गोपुः ह...
अत्रपाइत अल्प को इत शा के इत लान शा यो दा हा श
हका था दिद्य हक ० था दि वशां वर नमावरी आया का अक्का

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

तुल्यतापसविष्णुनामं भगवन्नामं नमो

क

विष्णुसंज्ञायां कर्माणां सहाय्यं तस्माद्योऽप्युक्तं तस्माद्योऽप्युक्तं तस्माद्योऽप्युक्तं
न चो ह्येतेनैकाग्र्यं तस्माद्योऽप्युक्तं तस्माद्योऽप्युक्तं तस्माद्योऽप्युक्तं

Yiti ni ni

[illegible][illegible]

24150 111 cm 2

1210 42115

11/15 4211 217 211

111114 311111

५३५८ पंजी -

84 May 11 11 11

11-11-13

812/5119514 प्रीति

14121

2113 37 241 HK

— 1114 135 185 MC

97134181 NY

1893-1894

[illegible]

11/12/84 8/4/84 8/4/84

11121551 41 431 41 21 2

4815 11/15/2011

[illegible]

1890

५१२६७८९०

गदितोनागा ॥ बकवर्धकृपांड ॥ ॥ सनानः द्वास्त्रिंशः ॥ ॥ यिदुःदान
 मांसोखेनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ विद्विद्विदान
 संध्यालनागा ॥ बकवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ वस्त्रदान ॥
 मुन्यनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ गतिस्त्रिंशदान
 ब्रह्मिकनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ क्रिकिदान ॥
 गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ यतवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ गुरुक्षेत्रदान
 नदीयनन्दाग्नागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ दान ॥
 बाहुशिनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ धर्मवर्जिकाय
 वस्त्रनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ धर्मवर्जिकाय
 यमनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ धर्मवर्जिकाय
 महापद्मनागा ॥ गुरुक्षेत्रवर्धकृपा ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ धर्मवर्जिकाय
 ॥ ॥ सनानः क्षत्रियत्रिंशः ॥ ॥ धर्मवर्जिकाय



ASIA ARCHIVES

1.126

ASIA ARCHIVES

1.126



